हिन्दी साप्ताहिक

R.N.I. No. UPHIN/2022/83621

जनता का सच

वर्ष 05 अंक 35 | लखनऊ शनिवार 05 सितम्बर 2026 | पृष्ठ 04 मूल्य 2 रूपया

बिहार में गंगा खतरे के निशान से 2 फीट ऊपर

13 जिलों में बाढ़; काशी में 407 परिवारों ने घर छोड़ा, हिमाचल में 175 सड़कें बंद

नई दिल्ली,एजेंसी। बिहार के कई जिलों में बीते दो दिनों से रुक-रुककर बारिश हो रही है। पटना में गंगा खतरे के निशान से करीब 2 फीट ऊपर बह रही है। प्रदेश के 13 जिले बाढ़ की चपेट में हैं, जबकि 8 नदियों का जलस्तर बढ़ गया है। उत्तर प्रदेश में लगातार बारिश से नदियां उफान पर हैं। काशी में वरुणा नदी के किनारे रहने वाले 407 परिवारों को सुरक्षित स्थानों पर भेजा गया है। अब तक 2,910 लोग विस्थापित हो चुके हैं। राहत और बचाव कार्य के लिए प्रशासन ने 36 नावें लगाई हैं। बाढ़ के हालात को लेकर पीएम मोदी ने वाराणसी के डीएम और मेयर से बात की। हिमाचल प्रदेश के कई हिस्सों में बुधवार रात तेज बारिश के बाद लैंडस्लाइड की वजह से 175 से ज्यादा सड़कें बंद हो गईं। कालका-शिमला फोरलेन पर भारी मलबा गिर गया। इससे कई गाड़ियां रातभर फंसी रहीं।गोपालगंज जिले में मानसून एक बार फिर पूरी तरह सक्रिय हो गया है। गुरुवार को शहर समेत जिले के लगभग सभी प्रखंडों में तेज हवाओं और गरज के साथ जोरदार बारिश हुई। कहीं लगभग डेढ़ घंटे तक लगातार तेज बारिश हुई, तो कई इलाकों में रुक-रुक कर पूरे दिन बारिश का सिलसिला जारी रहा।ओडिशा जिले के भोगराई, बालीपाल, बस्ता, रेमुना और जलेश्वर ब्लॉक के 214 गांवों में बाढ़ का पानी भरने के बाद खतरे के निशान से ऊपर बह रही है। हालांकि, नदी का जलस्तर अब घट रहा है। दोपहर तक राजघाट में सुवर्णरेखा का जलस्तर 10.84 मीटर था, जबकि खतरे का निशान 10.36 मीटर है। इसमें अभी गिरावट का रुख है, जो नदी की स्थिति में धीरे-धीरे सुधार का संकेत है।यूपी में लगातार बारिश से 23 जिलों में बाढ़ जैसे हालात हैं। अब तक 16 हजार से अधिक लोगों को बाढ़ से रेस्क्यू किया गया है। काशी में गंगा-वरुणा का पानी अब घरों में घुसने लगा है। सड़कों पर नाव चल रही है। अब तक 407 परिवार घर छोड़ चुके हैं।

मुख्यमंत्री योगी ने वृंदावन आगमन के बाद स्वामी हरिदास प्रेक्षागृह पहुंचकर इसका भव्य लोकार्पण किया

विदेशी आक्रांताओं ने मंदिर तोड़ेः योगी

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने वृंदावन के पवन हंस हेलीपैड पर आगमन के बाद स्वामी हरिदास प्रेक्षागृह पहुंचकर इसका भव्य लोकार्पण किया। कार्यक्रम का शुभारंभ हनुमान प्रसाद धानुका विद्यालय की छात्राओं द्वारा प्रस्तुत राष्ट्रगीत से हुआ। इसके बाद ब्रज के कलाकारों ने राधा-कृष्ण की लीलाओं का मनमोहक मंचन किया। समारोह में गुजरात के गरबा और ब्रज के प्रसिद्ध मयूर नृत्य की आकर्षक प्रस्तुतियां भी दी गईं। लोकार्पण से पूर्व मुख्यमंत्री ने भगवान कृष्ण के स्वरूप में सजे-धजे नन्हे बच्चों का अन्नप्राशन कराकर उन्हें उपहार भेंट किए। इसके साथ ही उन्होंने ब्रज के प्रमुख संतों फूलडोल बिहारी दास महाराज, महंत सुतीक्ष्ण दास, महंत सनतकुमार शरण महाराज, स्वामी रामदेवानंद सरस्वती और संत बलराम दास का स्वागत व अभिनंदन किया। कार्यक्रम के दौरान 321 सपेरा समाज के लाभार्थियों को भवन आवंटन पत्र देकर सम्मानित भी किया गया। पूर्व मंत्री व विधायक श्रीकांत शर्मा ने मुख्यमंत्री का स्वागत करते हुए कहा कि ब्रज से लेकर गोरखपुर तक सतत विकास हो रहा है। उन्होंने कहा, ÷योगी बाबा आयो है, एक हजार इक्यावन करोड़ रूपैया लायौ है।÷ वर्ष 2017 से पहले ब्रज की स्थिति जर्जर थी, लेकिन केंद्र में नरेंद्र मोदी और राज्य में योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व से क्षेत्र का कायाकल्प हुआ है। उन्होंने बताया कि पूर्व में यमुना में गिरने वाले मथुरा के 36 में से 32 नालों को बंद कर दिया गया है और शेष 4 नाले भी अक्टूबर तक पूरी तरह बंद हो जाएंगे। साथ ही सूरदास ब्रजभाषा अकादमी की स्थापना और ब्रज चौरासी कोस परिक्रमा मार्ग पर पड़ाव स्थलों के निर्माण का कार्य तेजी से जारी है।हेमा मालिनी सांसद हेमा मालिनी ने %राधे-राधे% के संबोधन के साथ प्रेक्षागृह को ब्रज की कला, संगीत, नृत्य और साहित्य का जीवंत प्रतीक बताया। उन्होंने कहा कि यह प्रेक्षागृह स्थानीय प्रतिभाओं को बड़ा मंच प्रदान करेगा और आने वाले समय में विश्वभर के कलाकार यहां अपनी प्रस्तुतियां देंगे। यह केंद्र ब्रज की महान परंपरा और भाषा को भावी पीढ़ियों तक पहुंचाने का एक सशक्त माध्यम बनेगा। इस अवसर पर प्रभारी मंत्री संदीप सिंह, विधायक पूरन प्रकाश, राजेश चौधरी, ठाकुर मेघश्याम, संत विजय कौशल महाराज, ओमप्रकाश सिंह, योगेश नौहवार और उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद के उपाध्यक्ष शैलजा कांत मिश्र सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

पाकिस्तानी जेट गिराने वाले अभिनंदन ने एयरफोर्स छोड़ी

बालाकोट स्ट्राइक के बाद पाकिस्तान की कैद में रहे; अब उड़ाएंगे यात्री विमान

नई दिल्ली। बालाकोट एयरस्ट्राइक के दौरान 58 घंटे पाकिस्तान की कैद में रहे पूर्व ग्रुप कैप्टन अभिनंदन वर्तमान ने एयरफोर्स से रिटायरमेंट ले लिया है। उन्होंने गोवा की प्राइवेट एयरलाइन फ्लाई-91 जॉइन कर ली है। उनका सामान्य रिटायरमेंट 2037 में होना था, जब वे 54 वर्ष के होते। उन्होंने 31 मार्च 2026 को वायुसेना छोड़ी और अगस्त में प्राइवेट एयरलाइन जॉइन की। करीब दो दशक की सर्विस के बाद अब वे कॉमर्शियल यात्री विमान के पायलट होंगे। अभिनंदन वायुसेना में मिग-21 फाइटर उड़ाते थे। 27 फरवरी 2019 को पाकिस्तानी के एफ-16 लड़ाकू विमान को मार गिराने के दौरान उनका विमान मिसाइल की चपेट में आ गया था। जेट से इजेक्ट होकर वे पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में उतरे थे। पीओके में पाकिस्तानी फौज ने उन्हें पकड़ लिया था। भारत के जबर्दस्त दबाव के चलते करीब 60 घंटे बाद, 1 मार्च 2019 को अटारी बॉर्डर के जरिए उनकी वापसी हुई थी। 2021 में उन्हें वीर चक्र से सम्मानित किया गया था।ग्रुप कैप्टन अभिनंदन ने वायुसेना में 20 साल की सर्विस की है।

लाठी-गोली क्यों चलीः राहुल गांधी

राहुल गांधी बिहार में छात्रों पर कार्रवाई से भड़के

नयी दिल्ली,एजेंसी। बिहार में छात्रों पर पुलिस कार्रवाई को लेकर कांग्रेस और भाजपा के बीच सियासी टकराव बढ़ता दिख रहा है। कांग्रेस नेता और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने गुरुवार को भाजपा पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि युवाओं की आवाज दबाने वाली सत्ता को आखिरकार जनता को जवाब देना पड़ता है। उन्होंने कहा ने कहा कि वह दिन अब ज्यादा दूर नहीं है। राहुल गांधी ने बिहार के उन छात्रों और युवाओं से मुलाकात की, जिन्होंने परीक्षा व्यवस्था में कथित अनियमितताओं के खिलाफ आवाज उठाई थी। कांग्रेस सांसद ने इन छात्रों के साथ हुई पुलिस कार्रवाई को बेहद गंभीर बताया। उन्होंने कहा कि इन युवाओं ने सिर्फ निष्पक्ष अवसर की मांग की थी। वे पारदर्शी परीक्षा व्यवस्था और अपने अधिकारों की बात कर रहे थे। राहुल गांधी ने यह सवाल भी उठाया कि ऐसी मांगों के जवाब में लाठी और गोली चलाने की जरूरत क्यों पड़ी?राहुल गांधी के मुताबिक, पुलिस की लाठियों के साथ एके-47 और पिस्तौल से चली गोलियों में भी कई छात्र घायल हुए। उन्होंने एक ऐसे युवक का जिक्र किया, जो सेना में सेवा देने की तैयारी कर रहा था। राहुल ने दावा किया कि एके-47 की गोली से उसके पैर को गंभीर नुकसान पहुंचा।

यूक्रेन युद्ध खत्म कराने में भारत मदद के लिए तैयार

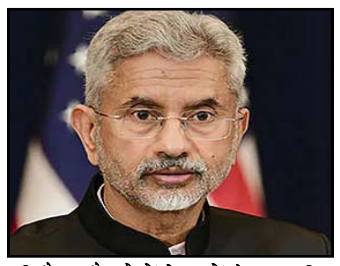

नयी दिल्ली,एजेंसी। भारत ने रूस-यूक्रेन युद्ध के शांतिपूर्ण समाधान के लिए अपनी प्रतिबद्धता दोहराई है। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने गुरुवार को कीव में यूक्रेन के विदेश मंत्री आंद्री सिबिहा से मुलाकात के दौरान रूस-यूक्रेन युद्ध के शांतिपूर्ण समाधान के लिए भारत की प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने कहा कि युद्ध का समाधान युद्ध के मैदान में नहीं, बल्कि बातचीत, कूटनीति और समझौते के जरिए ही संभव है। जयशंकर ने संकेत दिया कि रूस और यूक्रेन दोनों की सहमति होने पर भारत शांति प्रयासों में सहयोग करने, यहां तक कि मध्यस्थ की भूमिका निभाने के लिए भी तैयार है। दोनों नेताओं के बातचीत में काला सागर में वाणिज्यिक जहाजों की सुरक्षा, भारत-यूक्रेन व्यापार,-द्ध, डिजिटल तकनीक, कृषि, फार्मास्यूटिकल्स और शिक्षा जैसे क्षेत्रों में सहयोग पर भी चर्चा हुई। यह दौरा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की हालिया मुलाकात के बाद हो रहा है।यूक्रेन के विदेश मंत्री आंद्री सिबिहा के साथ बातचीत के दौरान जयशंकर ने भारत का रुख दोहराते हुए कहा कि इस संघर्ष का समाधान युद्ध के मैदान में नहीं निकल सकता। उन्होंने जोर देकर कहा कि स्थायी और स्वीकार्य समाधान बातचीत और कूटनीति के जरिए ही संभव है। जयशंकर ने कहा कि अगर भारत किसी भी तरह से मदद कर सकता है, तो हम तैयार हैं। उनके इस बयान से संकेत मिलता है कि अगर रूस और यूक्रेन दोनों सहमत हों तो नई दिल्ली शांति प्रयासों में सहयोग करने और अपनी भूमिका निभाने के लिए तैयार है।

सभी राज्य बाइक टैक्सी को मंजूरी देंः गडकरी

8 करोड़ रोजगार मिलेंगे; ट्रैफिक नियम तोड़ने पर ड्राइविंग लाइसेंस सस्पेंड-कैंसिल होगा

रायपुर। केंद्रीय परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने सभी राज्य सरकारों से बाइक टैक्सी को मंजूरी देने की अपील की है। उन्होंने कहा कि निजी बाइक और स्कूटर से यात्रियों को ले जाने की सुविधा से खासकर ग्रामीण इलाकों में रोजगार के बड़े अवसर मिलेंगे। इससे करीब 8 करोड़ लोगों को रोजगार मिल सकता है।गडकरी ने बताया कि केंद्र ने बाइक टैक्सी की अनुमति दे दी है, लेकिन परिवहन राज्य का विषय होने के कारण कुछ राज्यों में अभी इसकी मंजूरी नहीं है। उन्होंने राज्यों से इसे मंजूरी देने की अपील की, ताकि लोगों को कमाई का नया जरिया मिल सके। गडकरी ने कहा कि सरकार बार-बार ट्रैफिक नियम तोड़ने वाले वाहन चालकों पर सख्ती करेगी। इसके लिए मोटर व्हीकल एक्ट में बदलाव कर ड्राइवरों के लिए नेगेटिव पॉइंट सिस्टम लागू करने का प्रस्ताव है।गडकरी ने भारी वाहन और निर्माण उपकरण चलाने वाले ड्राइवरों की अनिवार्य ट्रेनिंग पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि अभी ऐसी कोई जरूरी व्यवस्था नहीं है। उन्होंने JCB India जैसी कंपनियों से उपकरण देने से पहले ड्राइवरों को ट्रेनिंग देने की अपील की।गडकरी ने सुरक्षा पायलट प्रोग्राम शुरू किया। इसके तहत हाईवे, खनन और निर्माण जैसे जोखिम वाले कामों से जुड़े करीब 10 लाख ड्राइवरों और कर्मचारियों की मुफ्त मेडिकल जांच व काउंसलिंग होगी। पहले चरण में नागपुर-कामठी के ह्वा-44 और चंद्रपुर के माइनिंग क्षेत्र में करीब 10 हजार लोगों की जांच का लक्ष्य है।गडकरी के मुताबिक, भारत में दोपहिया हादसों में 81,780 मौतें हुई हैं, जो दुनिया में सबसे ज्यादा हैं। सीट बेल्ट न लगाना, हिट एंड रन, गलत दिशा में ड्राइविंग, शराब और मोबाइल का इस्तेमाल हादसों की बड़ी वजह हैं। सीट बेल्ट न लगाने से 14,466 और हिट एंड रन में 34,030 मौतें हुईं। इन आंकड़ों को देखते हुए वाहन चालकों की ट्रेनिंग, स्वास्थ्य जांच और ट्रैफिक नियमों के पालन पर ज्यादा ध्यान देने की जरूरत है।

हिंसा जारी रही तो दिल्ली में करूंगी प्रदर्शनः ममता

नई दिल्ली,एजेंसीः पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने गुरुवार को यहां टीएमसी के कैमक स्ट्रीट ऑफिस में हुई कथित तोड़-फोड़ की निंदा की। इसके साथ ही चेतावनी दी कि अगर ऐसी ज्यादतियां जारी रहीं, तो उनकी पार्टी नई दिल्ली में भाजपा नेताओं के घरों के बाहर प्रदर्शन करेगी। फेसबुक लाइव में इस मुद्दे पर बात करते हुए, बनर्जी ने भाजपा समर्थित लोगों पर दस्तावेज और उपकरण लूटने का आरोप लगाया। इसके साथ ही कहा कि तृणमूल कांग्रेस ऑफिस पर हुआ कथित हमला राज्य में बिगड़ती कानून-व्यवस्था की स्थिति को दिखाता है। मुख्यमंत्री ने कहा, %हम कोलकाता में सुबह-सुबह हमारे पार्टी ऑफिस में हुई तोड़-फोड़ की निंदा करते हैं।

देश में छह करोड़ लखपति दीदी बनाने का लक्ष्य : शिवराज

मुंबई। केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने गुरुवार को मुंबई में कहा कि भारत सरकार का देश में छह करोड़ लखपति दीदी बनाने का लक्ष्य है। इनमें से साढ़े तीन करोड़ लखपति दीदियां बन चुकी हैं।केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौना ने आज मुंबई में लखपति दीदियों के साथ वृक्षारोपण अभियान में भाग लिया और बैंकरों के साथ अपनी बैठक से पहले स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) की महिलाओं के साथ बातचीत भी की। इसके बाद उन्होंने कहा, आज मैंने मुंबई में लखपति दीदियों के साथ वृक्षारोपण किया। हमारे प्रधानमंत्री ने छह करोड़ लखपति दीदियां बनाने का संकल्प लिया है। मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है कि लगभग 3.5 करोड़ लखपति दीदियां बन चुकी हैं और हम अब छह करोड़ के लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहे हैं।केंद्रीय मंत्री ने स्वीकार किया कि अनेक औपचारिकताओं और ऋण वितरण में देरी के कारण महिलाओं को अक्सर बैंक ऋण प्राप्त करने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। उन्होंने कहा, ÷बैंक अधिकारियों से मिलने से पहले, आज मुंबई में एक बैठक निर्धारित है। हमने पहले स्वयं महिलाओं से परामर्श करने का निर्णय लिया है। वे महिलाएं जो स्वयं सहायता समूहों में काम कर रही हैं और लखपति दीदी बनने के लिए विभिन्न व्यवसाय शुरू कर रही हैं। हम उनकी कठिनाइयों और चुनौतियों को समझना चाहते हैं। उन्होंने कहा, बैंक ऋणों की बदौलत वे अपना खुद का व्यवसाय शुरू करने और लखपति का दर्जा हासिल करने में सक्षम तो हो गई हैं, लेकिन उन्हें कई चुनौतियों का भी सामना करना पड़ रहा है। इनमें ऋण के लिए आवश्यक जटिल कागजी कार्रवाई और औपचारिकताएं, बार-बार बैंक जाना, गारंटी या गिरवी की मांग और ऐसे मामले शामिल हैं जहां 5 लाख रुपये की जरूरत होने के बावजूद उन्हें केवल 1.5 लाख रुपये का ऋण मिलता है।

नेपाल से 55किमी दूर तिब्बत में 5 तीव्रता का भूकंप

नई दिल्ली, एजेंसीः नेपाल सीमा से करीब 55 किलोमीटर दूर तिब्बत में गुरुवार को 5 तीव्रता का भूकंप आया। भारत के नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी के मुताबिक, भूकंप का केंद्र उत्तराखंड के जोशीमठ से करीब 128 किलोमीटर उत्तर-पूर्व में था और इसकी गहराई जमीन से 10 किलोमीटर नीचे थी। भूकंप जमीन की सतह से काफी कम गहराई पर आया। ऐसे भूकंप ज्यादा नुकसान पहुंचा सकते हैं, क्योंकि इनकी भूकंपीय ऊर्जा सतह तक जल्दी पहुंचती है और रास्ते में कम कमजोर होती है। हालांकि, फिलहाल भूकंप से किसी तरह के नुकसान या लोगों के घायल होने की खबर नहीं है।यह भूकंप ऐसे समय आया है, जब 26 अगस्त को तिब्बत और नेपाल में आई बाढ़ और भूस्खलन ने भारी तबाही मचाई थी।

कांग्रेस ने जीडीपी के 7.8 प्रतिशत वृद्धि के आंकड़े पर उठाए सवाल

नई दिल्ली। कांग्रेस महासचिव और संचार विभाग के प्रभारी जयराम रमेश ने अप्रैल-जून 2026 तिमाही में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की 7.8 प्रतिशत वृद्धि के सरकारी आंकड़े पर सवाल उठाते हुए कह कि नए आंकड़ों और गणना पद्धति की गहन समीक्षा की जरूरत है। उन्होंने दावा किया कि नई श्रृंखला के तहत पिछले चार वित्त वर्षों के जीडीपी आंकड़ों में कुल 43 लाख करोड़ रुपये की कमी की गई है और सरकार को इसका विस्तृत स्पष्टीकरण देना चाहिए। रमेश ने गुरुवार को जारी आधिकारिक बयान में कहा कि सरकार अप्रैल-जून 2026 तिमाही में अर्थव्यवस्था की 7.8 प्रतिशत वृद्धि को उपलब्धि के तौर पर पेश कर रही है, लेकिन जिस आधार पर यह आंकड़ा तैयार किया गया है, उसे देखने पर गंभीर सवाल खड़े होते हैं। वृद्धि दर की गणना के लिए पिछले वर्ष की समान तिमाही के जीडीपी आंकड़े को आधार बनाया जाता है और अप्रैल-जून 2025 के आंकड़े में कई बार संशोधन किया गया है। उन्होंने दावा किया कि अप्रैल-जून 2025 की जीडीपी करीब 86 लाख करोड़ रुपये से घटाकर लगभग 80 लाख करोड़ रुपये कर दी गई।

अवकाश सूचना

सुधी पाठकों विज्ञापनदाताओं और अभिकर्ताओं को जन्माष्टमी की हार्दिक शुभकामनाएं। जन्माष्टमी के अवसर पर 04/सितम्बर/2026 दिन शुक्रवार को कार्यालय में अवकाश रहेगा। अतः अगला अंक 06/सितम्बर/2026 दिन रविवार को प्रकाशित होगा।

- प्रबंधन

रक्षा सहयोग मजबूत करेंगे भारत-बेल्जियमः प्रधानमंत्री

रक्षा क्षेत्र में सहयोग के साथ भारत-बेल्जियम पांच सालों में करेंगे व्यापार दोगुना

नई दिल्ली,एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को कहा कि भारत और बेल्जियम के संबंध परंपरागत क्षेत्र से आगे बढ़कर रक्षा और स्वच्छ ऊर्जा जैसे रणनीतिक क्षेत्र तक पहुंच गए हैं। स्वच्छ ऊर्जा भविष्य और भरोसेमंद सप्लाई चेन दोनों देशों की साझा प्राथमिकताएं हैं। अगले पांच वर्षों में हम द्विपक्षीय व्यापार को दोगुना करने जा रहे हैं। दोनों देशों के बीच सैन्य और प्रशिक्षण सहयोग को मजबूत करने पर सहमति बनी है। हम अपनी एजेंसियों के बीच खुफिया जानकारी भी साझा करेंगे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को बेल्जियम के प्रधानमंत्री बार्ट डी वेवर के साथ प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता की। वार्ता के बाद दोनों नेताओं ने संयुक्त प्रेस वक्तव्य दिया। प्रधानमंत्री ने कहा कि दोनों देश जोरावर टैंक जैसे आधुनिक रक्षा उपकरणों पर साथ काम कर रहे हैं। आंध्र प्रदेश के काकिनाड़ा में हम दुनिया के सबसे बड़े ग्रीन अमोनिया प्रोजेक्ट्स में से एक डेवलप कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में आज दोनों देशों के बीच समझौता हुआ है। दुर्लभ खनिजों के प्रसंस्करण और पुनर्चक्रण में सहयोग बढ़ाने का हमने निर्णय लिया है। उन्होंने कहा कि सेमीकंडक्टर में बेल्जियम की विशेषज्ञता और भारत के स्तर एक दूसरे के पूरक हैं। इस दिशा में हम बेल्जियम के आईएमईसी इंस्टिट्यूट को भारत के सेमीकंडक्टर तंत्र से जोड़ने के लिए मिलकर काम करेंगे। वैश्विक विषयों पर प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत और बेल्जियम दोनों ही नियम आधारित व्यवस्था, संवाद और कुटनीति पर विश्वास रखते हैं। दोनों देश यूक्रेन और पश्चिम एशिया में संघर्ष की शीघ्र समाप्ति और शांति के प्रयासों का समर्थन करते हैं और आतंकवाद के हर रूप को जड़ से समाप्त करने की प्रतिबद्धता दोहराते हैं। अपने वक्तव्य में प्रधानमंत्री में भारत और बेल्जियम के संबंधों को के इतिहास को याद किया और कहा कि हजारों भारतीय सैनिकों का पहले विश्व युद्ध में साहस और बलिदान हमारी साझा स्मृति का अहम हिस्सा है। प्रधानमंत्री ने कहा कि आज भारत की विकास यात्रा दुनिया में भरोसा पैदा कर रही है। इस संदर्भ में उन्होंने हाल ही में आए तिमाही विकास आंकड़ों का उल्लेख किया, जिसमें भारत की जीडीपी को 7.5 प्रतिशत की गति से बढ़ाने की बात कही गई है।

शिक्षा कोरी नियुक्ति ही नहीं, मुक्ति का माध्यम बने

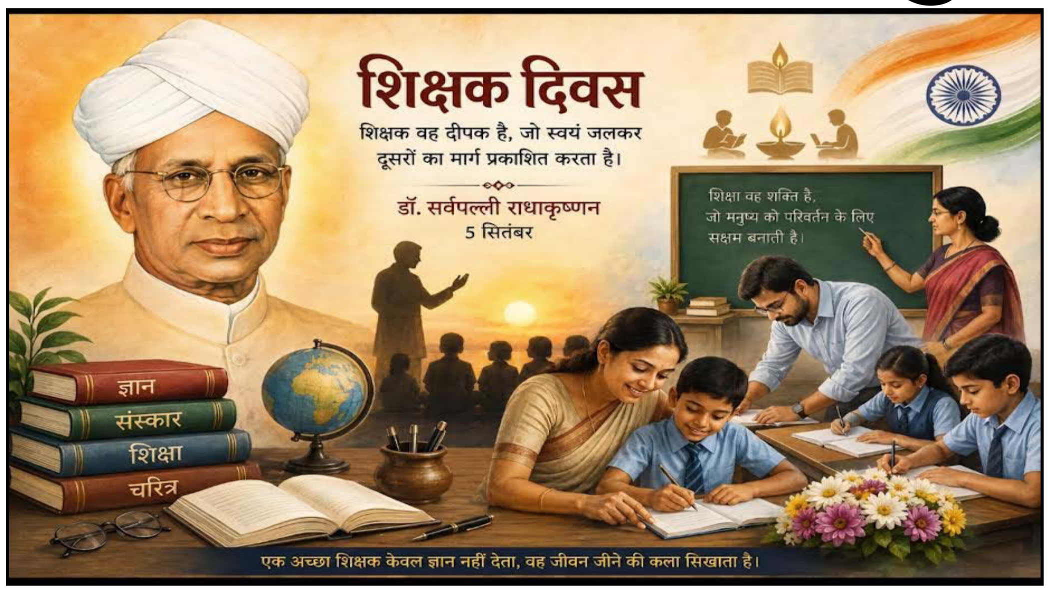

-: ललित गर्गः-
****

शिक्षक दिवस केवल शिक्षकों के सम्मान का अवसर नहीं, बल्कि भारत की शिक्षा-दृष्टि, शिक्षक की भूमिका और भावी पीढ़ी के निर्माण पर गंभीर आत्ममंथन का दिन है। किसी राष्ट्र का भविष्य केवल उसके विद्यालयों की संख्या, भवनों की भव्यता, पुस्तकों की उपलब्धता या परीक्षाओं के परिणामों से निर्धारित नहीं होता, बल्कि इस बात से तय होता है कि उसके विद्यालयों से निकलने वाला मनुष्य कितना ज्ञानवान, विवेकशील, संवेदनशील, चरित्रवान और उत्तरदायी है। इसलिए आज देश में केवल शिक्षा क्रांति की नहीं, बल्कि शिक्षक क्रांति की भी आवश्यकता है। यदि शिक्षा का स्वरूप बदलना है तो शिक्षा देने वाले व्यक्ति की चेतना, दृष्टि और कार्यशैली में भी परिवर्तन लाना होगा। पूरे देश में समान गुणवत्ता वाली शिक्षा की दिशा में प्रयास तभी सफल होंगे, जब प्रत्येक बच्चे को समान अवसर के साथ योग्य, संस्कारवान और प्रतिबद्ध शिक्षक मिलें। भारत की परंपरा में शिक्षा का अर्थ कभी केवल सूचना और रोजगार प्राप्त करना नहीं रहा। हमारी ज्ञान-परंपरा में गुरु वह था जो अज्ञान के अंधकार से ज्ञान के प्रकाश की ओर ले जाता था। 'तमसो मा ज्योतिर्गमय' भारतीय शिक्षा-दृष्टि की मूल चेतना को भी व्यक्त करता है। विद्या वह है जो मनुष्य के भीतर विवेक जगाए, उसके आचरण को परिष्कृत करे, उसे आत्मसंयम सिखाए और समाज एवं राष्ट्र के प्रति उत्तरदायी बनाए। आज यदि शिक्षा का अर्थ केवल नौकरी, पद, वेतन और प्रतिस्पर्धा तक सीमित होता जा रहा है तो हमें शिक्षा की आत्मा को पुनः खोजने की आवश्यकता है।

शिक्षा के बदलते स्वरूप के साथ शिक्षक की भूमिका भी बदल रही है। कभी शिक्षा को 'सा विद्या या विमुक्तये' अर्थात् मुक्ति और आत्मविकास का माध्यम माना गया था, लेकिन आज अनेक बार उसका लक्ष्य केवल 'नियुक्ति' प्राप्त करने तक सिमटता दिखाई देता है। ज्ञान का मूल्य इस आधार पर तय होने लगा है कि उससे कितनी आय और कितना ऊंचा पद प्राप्त किया जा सकता है। शिक्षित होने की आकांक्षा बढ़ी है, लेकिन सुशिक्षित और संस्कारित होने की आकांक्षा उसी अनुपात में नहीं बढ़ी। यह स्थिति केवल शिक्षा व्यवस्था की नहीं, बल्कि पूरे समाज की चिंता का विषय है। आज शिक्षा के व्यवसायीकरण ने इस संकट को और गहरा किया है। शिक्षा जहां मिशन और सामाजिक दायित्व होनी चाहिए थी, वहां कई स्थानों पर वह व्यवसाय का रूप लेती दिखाई देती है। जब ज्ञान की कीमत बाजार तय करने लगे और शिक्षक की सफलता केवल परिणाम तथा वेतन से मापी जाने लगे, तब शिक्षा के मानवीय और संस्कारात्मक पक्ष का कमजोर होना स्वाभाविक है। इसके साथ गुरु-शिष्य संबंधों में भी अनेक स्तरों पर दूरी दिखाई दे रही है। शिक्षकों और विद्यार्थियों के बीच दुर्व्यवहार, अनुशासनहीनता और हिंसा की घटनाएं हमें चेताती हैं कि केवल पाठ्यक्रम बदलने से शिक्षा का संकट समाप्त नहीं होगा। हमें संबंधों की संस्कृति, संवाद की परंपरा और पारस्परिक सम्मान को भी पुनर्जीवित करना होगा। महान दार्शनिक और शिक्षक डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन का जीवन इस बात का उदाहरण है कि शिक्षक केवल पेशा नहीं, एक जीवन-दृष्टि हो सकता है। उन्होंने अपने जन्मदिन को शिक्षक दिवस के रूप में मनाए जाने की इच्छा व्यक्त की थी। तभी से 5 सितंबर देश में शिक्षक दिवस के रूप में मनाया जाता है। उनके जीवन से यह संदेश मिलता है कि शिक्षक का सम्मान केवल इसलिए नहीं कि वह पढ़ाता है, बल्कि इसलिए कि वह समाज की चेतना को दिशा देता है।

वर्तमान समय में शिक्षक की भूमिका पहले से अधिक चुनौतीपूर्ण हो गई है। विद्यार्थी के सामने आज पुस्तक के अतिरिक्त इंटरनेट, सामाजिक माध्यम, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और असंख्य डिजिटल स्रोत उपलब्ध हैं। ऐसी स्थिति में शिक्षक की उपयोगिता कम नहीं हुई, बल्कि और बढ़ी है। अब शिक्षक को केवल जानकारी देने वाला नहीं, बल्कि सही जानकारी और गलत सूचना में अंतर समझाने वाला मार्गदर्शक बनना होगा। उसे विद्यार्थी को यह सिखाना होगा कि ज्ञान का उपयोग किस उद्देश्य से और किस जिम्मेदारी के साथ किया जाए। तकनीक शिक्षा का विकल्प नहीं, शिक्षक के हाथ में एक प्रभावी साधन बननी चाहिए। महात्मा गांधी ने सर्वांगीण विकास में आत्मा, मस्तिष्क, वाणी और कर्म के संतुलन को महत्व दिया था। स्वामी विवेकानंद के अनुसार शिक्षा का उद्देश्य मनुष्य के भीतर निहित शक्तियों को जागृत करना है। इन दोनों दृष्टियों को आज की शिक्षा व्यवस्था से जोड़ना अत्यंत आवश्यक है। विद्यार्थी का मस्तिष्क ज्ञान से समृद्ध हो, हाथ कौशल से सक्षम हों, हृदय करुणा से भरा हो और चरित्र सत्य तथा ईमानदारी पर आधारित हो-यही वास्तविक सर्वांगीण शिक्षा है। केवल प्रतिभाशाली मनुष्य नहीं, बल्कि श्रेष्ठ मनुष्य बनाना शिक्षा का लक्ष्य होना चाहिए। आचार्य महाप्रज्ञ ने व्यक्तित्व-निर्माण को अत्यंत कठिन कार्य माना और इसके लिए निःस्वार्थ तथा जागरूक शिक्षक की आवश्यकता बताई। वास्तव में शिक्षक का सबसे प्रभावी पाठ उसकी पुस्तक नहीं, उसका अपना जीवन होता है। विद्यार्थी शिक्षक की कही बात से अधिक उसके व्यवहार को ग्रहण करता है। शिक्षक सत्यनिष्ठ है तो सत्य का संस्कार देता है, समय का सम्मान करता है तो अनुशासन सिखाता है, विनम्र है तो विनम्रता पैदा करता है और अपने कर्तव्य के प्रति समर्पित है तो समर्पण का उदाहरण बनता है। इसलिए शिक्षक प्रशिक्षण केवल नई शिक्षण पद्धतियों और तकनीकों तक सीमित नहीं होना चाहिएय उसमें चरित्र, संवेदनशीलता, संवाद-कौशल, मानसिक संतुलन, नैतिक नेतृत्व और भारतीय मूल्य-दृष्टि का भी प्रशिक्षण होना चाहिए। शिक्षा को केवल परीक्षा और अंकों के दायरे से बाहर निकालना भी समय की मांग है। अच्छे अंक प्राप्त करना महत्वपूर्ण हो सकता है, लेकिन अच्छे अंक अच्छे मनुष्य होने की गारंटी नहीं हैं। राष्ट्र को कुशल वैज्ञानिक, चिकित्सक, अभियंता और प्रबंधक जितने चाहिए, उतने ही ईमानदार नागरिक, संवेदनशील परिवारजन, जिम्मेदार सामाजिक कार्यकर्ता और विवेकशील नेतृत्वकर्ता भी चाहिए। इसलिए मूल्यांकन में ज्ञान के साथ रचनात्मकता, समस्या-समाधान, सहयोग, सामाजिक संवेदना, नैतिक निर्णय क्षमता और व्यवहार को भी महत्व मिलना चाहिए।

नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति ने शिक्षा को अधिक समग्र, लचीला, कौशल-आधारित और भारतीय ज्ञान परंपरा से जोड़ने की दिशा में महत्वपूर्ण विचार सामने रखे हैं। लेकिन किसी नीति की वास्तविक सफलता उसके दस्तावेज में नहीं, उसके धरातलीय परिणामों में दिखाई देती है। छह वर्ष के अनुभव के बाद यह आवश्यक है कि सरकार, शिक्षाविद, शिक्षक, अभिभावक और समाज मिलकर निष्पक्षता से समीक्षा करें कि नीति के कौन-से उद्देश्य विद्यालयों तक प्रभावी रूप से पहुंचे और कहां अभी दूरी बनी हुई है।

संम्पादकीय

भविष्य से खिलवाड़ न हो

जिस देश की सरकारों ने 'लोक कल्याण' पर आधारित नीति-ढांचे वाला विकास मॉडल अपनाया है, वहां 4-5 साल की उम्र के छोटे-छोटे बच्चों की मानसिक-शारीरिक क्षमता का वैज्ञानिक विधि से निरीक्षण करके उनकी भविष्य की शैक्षणिक रुचियों और खेल की आदतों पर विशेष ध्यान दिया जाता है। इतनी सी उम्र में पूंजीवादी विकास मॉडल अपनाने वाले कम विकसित या विकासशील देशों के बच्चों के माता-पिता अभी उन्हें स्कूल भेजने या न भेजने की दुविधा में फंसे होते हैं और अक्सर आर्थिक तंगियों के कारण अपने बच्चों को बाल श्रम की भट्टी में झोंक देते हैं। अनपढ़ता, गरीबी, कुपोषण की मार झेलती मासूमों की यह पीढ़ी हमेशा के लिए चोरियों, लूट-पाट, नशेड़ीपन, अपराध आदि असामाजिक गतिविधियों में उलझ कर रह जाती है। इससे अगला घातक रोग तथाकथित धर्म गुरुओं, धार्मिक संस्थाओं या डेरों आदि की संगत से चिपक जाता है। यहां नई पीढ़ी को 'आस्था' के नाम पर प्रतिक्रियावादी विचारों का लेप चढ़ाकर पिछलग्गू, अंधविश्वासी और पूरी तरह से विज्ञान-विरोधी बनने की राह पर धकेल दिया जाता है। देश के अंदर ऐसी प्रवृत्ति प्रचलित है। भारतीय समाज भी उपरोक्त चरम अमानवीय घटनाओं से अछूता नहीं है। हमारा समाज लगभग सभी धर्मों में किसी न किसी रूप में मौजूद उक्त लक्षणों के कारण स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद भी सामंती दौर के प्रतिक्रियावादी विचारों और रीति-रिवाजों से मुक्त नहीं हो सका है। परंतु 2014 के बाद, जब से मोदी सरकार ने देश की केंद्रीय सत्ता संभाली है, तब से राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आर.एस.एस.) और इसके द्वारा खड़े किए गए पुरातनपंथी संगठन, देश को पूरी तरह से मध्ययुग के अंधेरे दौर की ओर धकेलने के प्रयास में लगे हुए हैं। संघ परिवार द्वारा इस उद्देश्य के लिए युवा पीढ़ी पर विशेष ध्यान केंद्रित किया जा रहा है। हर साल की तरह इस साल भी जैसे सावन के महीने में 'कांवड़ यात्रा' के लिए गए 4 करोड़ से अधिक लोग, विशेष रूप से 30 साल से कम उम्र के युवा लड़के-लड़कियां उपद्रव मचाते देखे गए हैं, जो भारतीय समाज के लिए भविष्य के बड़े खतरों का सूचक है। साथ ही वोट की राजनीति के लिए युवाओं का भविष्य तबाह करने की भाजपा की अत्यंत घटिया किस्म की रणनीति भी बखूबी उजागर हुई है। यह भी याद रखने योग्य है कि ऐसा ही अंधविश्वासी रवैया मुसलमानों, सिखों, ईसाइयों सहित लगभग सभी धर्मों में प्रचलित है। मुस्लिम परिवारों के जिन बच्चों को वैज्ञानिक शिक्षा देने की बजाय 'शरिया', जो कुरान-ए-पाक की शिक्षाओं से बिल्कुल मेल नहीं खाती, की 'अधीनता' का पाठ पढ़ाया जाता है और गुण-दोष देखे बिना सभी गैर-मुसलमानों को 'काफिर' बनाकर पेश किया जाता है, उन्होंने अपने समाज को आगे बढ़ाने में क्या योगदान देना है? मुस्लिम समाज में महिलाओं के खिलाफ अनुचित व्यवहार और उनकी असमानता को भी सही नहीं ठहराया जा सकता।

छवियों में कैद मोदी विदेश नीति

सर्वमित्रा सुरजन
****

किर्गिस्तान की राजधानी बिश्केक में शंघाई सहयोग संगठन की शिखर बैठक में शामिल होने पहुंचे प्रधानमंत्री मोदी के बयानों और व्यवहार को लेकर फिर सुर्खियां बन रही हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने अपनी बनाई विदेश नीति में कैमरे में कैद छवियों को अहम बना दिया है। अब तक देश में जितने भी प्रधानमंत्री हुए, सबकी विदेश यात्राओं में इस बात पर ध्यान दिया जाता था कि भारत के हित में कौन से समझौते हुए, वैश्विक मंच पर उसकी स्थिति मजबूत करने के लिए किन देशों के साथ उसके मैत्री संबंध प्रगाढ़ हुए हैं, गुटनिरपेक्षता के सिद्धांत को इन संबंधों में कितनी तरजीह दी जा रही है। लेकिन अब ऐसे सारे सवाल उठते ही नहीं। बेशक व्यापार और रक्षा समझौतों की बात होती है, लेकिन उसके अलावा खबरों में यही दिखाया जाता है कि नरेन्द्र मोदी ने किस देश के राष्ट्रपति या प्रधानमंत्री से हाथ मिलाया, गले मिले, किसके साथ एक कार में सफर किया, कौन से उपहार दिए या लिए और हां इन सबसे पहले यह बताया जाता है कि कौन से देश ने प्रधानमंत्री मोदी को सर्वोच्च सम्मान दिया। गोया, यह भारत के प्रधानमंत्री की नहीं, नरेन्द्र मोदी की विशेष उपलब्धि हो। बहरहाल, बिश्केक में भी नरेन्द्र मोदी के अन्य नेताओं के साथ मिलने और बात करने की तस्वीरें, वीडियो आते रहे। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ नरेन्द्र मोदी ने एक कार में सफर किया, उसकी तस्वीरें सामने आईं। फिर एक वीडियो आया जिसमें चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग और व्लादिमीर पुतिन साथ आते हैं और सामने से नरेन्द्र मोदी जिनपिंग से हाथ मिलाते हैं और उसी समय दूसरे हाथ से पुतिन का हाथ भी थामते हैं। विश्व की दो महाशक्तियों के साथ एक हाथ मिलाते नरेन्द्र मोदी काफी शक्तिशाली प्रधानमंत्री लग सकते हैं। लेकिन ये शक्ति तब भी नजर आनी चाहिए जब अरुणाचल प्रदेश समेत कई हिस्सों में चीन अपनी घुसपैठ करता है या फिर पाकिस्तान को भारत के खिलाफ मदद करता है। एक समूह चित्र खिंचवाने से पहले का भी वीडियो आया, जिसमें नरेन्द्र मोदी पुतिन से हाथ मिलाते हुए आगे बढ़ते हैं, उन्हें लगता है कि पुतिन उनके साथ खड़े रहेंगे, लेकिन पुतिन उन्हें दूसरी तरफ कर खुद लगभग केंद्र में आ जाते हैं, फिर उनके बगल में आकर पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ को खड़ा कर दिया जाता है। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री किस तरह पुतिन के बाजू में खड़े किए गए और नरेन्द्र मोदी लगभग किनारे क्यों खड़े किए गए, यह क्रम किस आधार पर तय हुआ, यह विदेश मंत्रालय ही बेहतर बता सकेगा। हालांकि इस समूह चित्र को जब पाकिस्तान प्रधानमंत्री कार्यालय ने सोशल मीडिया पर शेयर किया तो इसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को हटा दिया और लिखा श्प्रधानमंत्री मोहम्मद शहबाज शरीफ 1 सितंबर 2026 को किर्गिस्तान के बिश्केक में एससीओ काउंसिल ऑफ हेड्स ऑफ स्टेट समिट में राष्ट्राध्यक्षों के साथ एक ग्रुप फोटो में।य फिर शाहबाज शरीफ ने पूरी निर्लज्जता के साथ अपने एक्स हैंडल पर उसी फोटो को शेयर किया है। वहीं दूसरी ओर प्रधानमंत्री मोदी ने इस तस्वीर को वैसे ही शेयर किया, जैसे वह खींची गई थी। मोदी के हैंडल से शेयर हुई फोटो में शाहबाज शरीफ भी हैं। अच्छा है कि भारत ऐसे ओछेपन से अब तक

बचा हुआ है। क्योंकि पाकिस्तान की सरकार लगातार इसी तरह का ओछापन दिखाती रही है और अब मक्का रक्षा समझौते के बाद उसके ऐसे दुस्साहस कुछ और बढ़ सकते हैं, क्योंकि इसमें शुरुआती तीन सालों के लिए जिम्मेदारी पाकिस्तानी के सैन्य प्रमुख जनरल आसिम मुनीर को ही मिली है। गौरतलब है कि नॉर्थ अटलांटिक ट्रीटी नॉर्थ अटलांटिक ट्रीटी ऑर्गेनाइजेशन (नाटो) की तर्ज पर सऊदी अरब, तुर्की और पाकिस्तान के बीच 7 अगस्त 2026 को एक त्रिपक्षीय सामूहिक रक्षा समझौता हस्ताक्षरित किया गया है। इस समझौते के तहत यदि किसी एक देश पर बाहरी हमला होता है, तो उसे तीनों देशों पर हमला माना जाएगा (जो नाटो के आर्टिकल-5 की तरह है)। इसे इस्लामिक नाटोय भी कहा जा रहा है। इस समझौते का दायरा बढ़ाए जाने की संभावना है और संभव है कि निकट भविष्य में बांग्लादेश भी इसका सदस्य बन जाए। तुर्की के विदेश मंत्री हाकान फिदान ने दावा किया है कि मक्का समझौता किसी भी देश के खिलाफ नहीं है। इस समझौते से क्षेत्रीय स्थिरता में वृद्धि होगी और अनिश्चितता में कमी आएगी। हर संगठन अपनी स्थापना को लेकर नेक इरादे ही प्रकट करता है, लेकिन उसका विस्तार या प्रभाव दिखाना होता है, तो फिर उसमें उन देशों को निशाने पर लिया जाता है, जिनसे हित टकराते हैं। यूक्रेन और रूस के बीच पिछले चार सालों से चल रही जंग इसका उदाहरण है। नाटो देश यूक्रेन को अपने प्रभाव में लेना चाहते हैं। यूक्रेन भी नाटो का सदस्य होना चाहता है, लेकिन रूस इसका विरोध कर रहा है, क्योंकि वह जानता है कि एक बार नाटो का प्रभाव उसकी सीमाओं तक आ गया तो फिर शीतयुद्ध के दौर जैसे हालात बन जाएंगे। यूक्रेन जिस तरह बार-बार अमेरिका समेत तमाम पश्चिमी देशों से सहानुभूति बटोरते हुए युद्ध में टिके रहने के लिए उनसे सामरिक मदद मांग रहा है, यह इस बात का उदाहरण है कि रूस केवल यूक्रेन से नहीं लड़ रहा, पर्दे के पीछे नाटो की शक्ति भी काम कर रही है। इस मिसाल को देखते हुए मक्का समझौते के बाद भारत को विशेष तौर पर सचेत रहने की जरूरत है। क्योंकि ऑपरेशन सिंदूर के वक्त ही हमने देखा है कि कैसे अमेरिका ने भारत और पाकिस्तान के बीच दखलंदाजी की और पाकिस्तान ने इसका स्वागत किया। अब क्षेत्रीय स्थिरता और शांति के नाम पर अगर पाकिस्तान फिर किसी अनावश्यक संघर्ष को बढ़ाएगा तब भारत केवल पाकिस्तान से मुकाबला नहीं करेगा, हो सकता है पीछे से सऊदी अरब और तुर्की भी साथ रहें। भारत के लिए विदेश नीति की चुनौतियां अब पहले से कहीं अधिक बढ़ चुकी हैं, इसलिए प्रधानमंत्री मोदी से उम्मीद की जाती है कि वे फोटो-वीडियो, हाथ मिलाने-गले मिलने पर ध्यान देने की जगह इन चुनौतियों की जटिलताओं को समझें। अभी बिश्केक में नरेंद्र मोदी ने व्लादिमीर पुतिन से अपील की कि वे यूक्रेन के खिलाफ रूस के युद्ध को खत्म करने की दिशा में कदम बढ़ाएं। मोदी ने एंडलेस वॉर की जगह वॉर के एंड पर जोर दिया। ऐसी लफ्फाजी से बेहतर है कि वे ठोस तथ्यों पर बात करें। यह सही है कि चार सालों से युद्ध चल रहा है, लेकिन उसे मोदी क्यों एंडलेस यानी अंतहीन बता रहे हैं। इसका मतलब वे रूस पर दोषारोपण कर रहे हैं कि वह युद्ध खत्म नहीं कर रहा। इससे पहले भी मोदी पुतिन से कई बार इसी तरह की अपील कर चुके हैं, हालांकि उसका कोई नतीजा नहीं निकला। बल्कि 2024 में जब मोदी यूक्रेन गए और वहां जेलेंस्की से मुलाकात की, तो इसके करीब ढाई महीने बाद राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल को रूस में पुतिन के सामने बैठकर इस मुलाकात पर सफाई पेश करनी पड़ी थी। भारत वैश्विक शांति का हमेशा से पक्षधर रहा है। प.नेहरू ने गुटनिरपेक्ष और पंचशील का सिद्धांत शांति के मद्देनजर ही दिया था। लेकिन खुद मोदी सरकार ने विदेश नीति में गुटनिरपेक्षता को गौण बना दिया है, यह जाहिर है। इसलिए अगर मोदी पुतिन को युद्ध खत्म करने कह सकते हैं, तो यही रवैया उन्हें इजरायल और अमेरिका के साथ भी अपनाना चाहिए। फिलीस्तीन पर नरेन्द्र मोदी सरकार ने न केवल चुप्पी बरती बल्कि मोदी इजरायल जाकर बेंजामिन नेतन्याहू से मिले, उनसे सम्मान ग्रहण किया, आतंकवाद के खात्मे की बात की, तो यह सब गजा में चल रहे नरसंहार को समर्थन जैसा ही है। क्योंकि इजरायल के लिए आतंकवाद का दूसरा नाम हमास है। इसके बाद ईरान पर इजरायल और अमेरिका के हमले में भी मोदी ने प्रतिक्रिया देने में न केवल देर की, बल्कि इस तरह प्रतिक्रिया दी कि कहीं से इजरायल और अमेरिका की हरकत का विरोध नजर नहीं आया। अयातुल्लाह अली खामेनेई की हत्या के बावजूद नरेन्द्र मोदी ने अफसोस जाहिर नहीं किया। तो रूस से अगर मोदी कह रहे हैं कि यूक्रेन के साथ युद्ध को खत्म किया जाए, तो यही बात उन्हें खुल कर इजरायल और अमेरिका को भी कहनी होगी। वैश्विक मंच पर भारत का इकबाल इसी तरह नजर आएगा।

आज का राशिफल

राशि	फल	राशि	फल
मेष	निकट संबंधों में शंकाओं को हावी न होने दें। भौतिक आकांक्षाओं की पूर्ति होने के आसार बनेंगे। नौकरी का वातावरण सुखद होगा। सगे-संबंधों में प्रगाढ़ता बढ़ेगी।	मिथुन	आर्थिक क्षेत्र में लाभ के आसार हैं। अवरोधित कार्य हल होंगे। योजनाओं के फलीभूत होने से मन प्रसन्न होगा। विद्यार्थियों के लिए ग्रहों की अनुकूलता लाभप्रद होगी।
वृषभ	आर्थिक क्षेत्र में लाभ के आसार हैं। अवरोधित कार्य हल होंगे। योजनाओं के फलीभूत होने से मन प्रसन्न होगा। विद्यार्थियों के लिए ग्रहों की अनुकूलता लाभप्रद होगी।	कर्क	बीती बातों को भूलने की कोशि करें। रोजगार में कुछ अच्छे अवसर मिलेंगे। भौतिक इच्छाएं बलवती होंगी। अभिभावकों के भावनात्मक सहयोग से उत्साह में वृद्धि होगी।
सिंह	नकारात्मक चिंताओं का त्याग करें। महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां अपनी पूर्ति हेतु मन पर दबाव बनाएंगी। वर्तमान में आपको सकारात्मक सोच के साथ सकारात्मक दिशा में प्रयास करना चाहिए।	तुला	महत्वाकांक्षाएं मन पर प्रभावी होंगी। घरेलू कायरें में अत्याधिक व्यय का योग है। कार्यक्षेत्र में व्यस्तता बढ़ेगी। परिवार में सुखद स्थिति प्रसन्नता लाएगी।
कन्या	किसी नये कार्य की ओर आपका रुझान बढ़ेगा। किसी महत्वपूर्ण फैसले के लिए मन केंद्रित होगा। नवीन योजनाओं द्वारा प्रगति होगी। जीवन साथी के साथ मधुरता कायम रखें।	वृश्चिक	परिश्रम का समुचित लाभ प्राप्त होगा। पारिवारिक वातावरण सुखद व उत्साहपूर्ण होगा। महत्वपूर्ण योजनाओं के क्रियान्वयन हेतु प्रयत्न तीव्र होगा।
धनु	मन सुंदर कल्पनाओं से प्रभावित रहेगा। नये संबंधों के प्रति निकटता बढ़ेगी। उपस्थित साधनों में सन्तुष्ट व तृप्त होने का प्रयत्न करें। जीवन साथी के स्वास्थ्य के प्रति सतर्कता अपेक्षित है।	कुंभ	राजनीति से जुड़े लोगों के लिए समय अनुकूल रहेगा। अच्छे कायरे के लिए प्रशंसनीय होंगे। शासन-सत्ता से लाभ के अवसर प्राप्त होंगे। कोई महत्वपूर्ण निर्णय लेने में मन दुविधाग्रस्त होगा।
मकर	विभागीय परिवर्तनों से कुछ दिक्कतों का सामना करना पड़ सकता है। अपने अन्दर धैर्य व वाणी में मधुरता लावें। कुछ नई अभिलाषाएं मन में जागृत होंगी। प्रियजनों का सनिध्य प्राप्त होगा।	मीन	आवेश में किये गये कार्य से कष्ट संभव। भावनात्मक समस्याओं पर सगे-संबंधियों के बीच खुलकर बात करें। कुछ नये उत्साह व कार्य क्षमता की अनुभूति करेंगे।

यू.पी.आई. नकदी के इस्तेमाल को कभी अप्रचलित क्यों नहीं कर पाएगा

मदन सबनवीस
****

भारत के यूनिफाइड पेमैंट्स इंटरफेस (यू.पी.आई.) ने संचालन के 10 वर्ष पूरे कर लिए हैं और यह अभूतपूर्व रूप से सफल रहा है। यह प्रणाली इतनी परिपक्व हो चुकी है कि नियामक अब इसके उपयोग के लिए शुल्क लेने की बात करने लगे हैं। अक्सर पूछा जाने वाला एक सवाल यह है-यदि किसी फेरीवाले के साथ 10 रुपए का लेन-देन भी यू.पी.आई. का उपयोग करके किया जा सकता है, तो क्या इसका मतलब यह है कि नियमित कागजी मुद्रा अब निरर्थक होती जा रही है? भारतीय रिजर्व बैंक (आर.बी.आई.) के आंकड़े दिलचस्प रुझान सामने लाते हैं। अगस्त में संचलन में मौजूद मुद्रा लगभग 42.46 ट्रिलियन रुपए थी और यह अच्छी गति से बढ़ रही है। वास्तव में, 2025-26 में 4.38 ट्रिलियन रुपए की वृद्धि दर्ज की गई, जो 2016 में नोटबंदी के बाद सबसे अधिक है। 2016-17 में गिरावट के बाद, 2017-18 में इसमें लगभग 5 ट्रिलियन रुपए की वृद्धि हुई। 2020-21 के दौरान, कोविड के बीच 4.14 ट्रिलियन रुपए की वृद्धि देखी गई, जो दूसरी सबसे बड़ी वृद्धि थी, क्योंकि लोगों ने सुरक्षा बफर के रूप में नकदी जमा की थी। औसतन, हम हर साल 2-

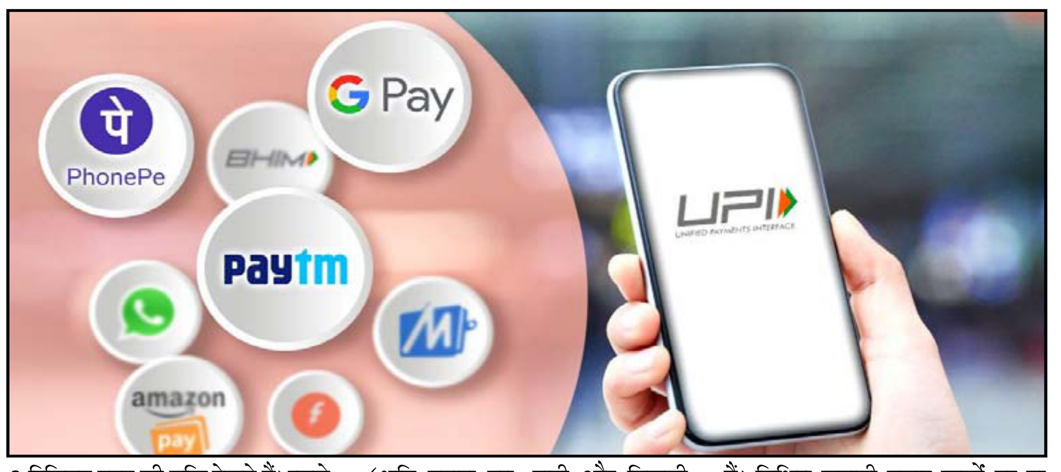

3 ट्रिलियन रुपए की वृद्धि देखते हैं। इससे यह स्पष्ट होता है कि आम जनता अभी भी नकदी के उसी स्तर को पसंद करती है। तो, भारत में कागजी मुद्रा की मांग में इस तेजी की क्या वजह है? इसके 2 कारण हैं। पहला गुमनामी के फायदों से संबंधित है और दूसरा डिजिटल लेन-देन के डर से जुड़ा है। गुमनामी की प्राथमिकता पांच उपयोग-मामलों में स्पष्ट दिखती है रू पहला, संपत्ति के लेन-देन के लिए भुगतान है। विक्रेता अक्सर मकान और जमीन की बिक्री के लिए आंशिक रूप से नकद भुगतान पर जोर देते हैं। यहां तक कि बिल्डर्स भी ऐसा करते हैं, क्योंकि उन्हें अपनी परियोजनाओं के लिए मंजूरी (भूमि प्रमाण पत्र, पानी और बिजली कनैक्शन आदि) प्राप्त करने और स्थानीय भू-माफियाओं से बचने के लिए नकद रिश्वत देने की आवश्यकता हो सकती है। दूसरा, सोने के आभूषण खरीदने के लिए नकदी का बड़े पैमाने पर इस्तेमाल किया जाता है। नकद भुगतान से खरीदारी के लिए 2 लाख रुपए की सीमा निर्धारित है। इस स्तर से अधिक होने पर व्यक्ति को पैन नंबर प्रदान करना होता है। इसलिए, खरीदार नकद खरीदारी करके लेन-देन का रिकॉर्ड छोडने से बचने का प्रयास करते हैं। तीसरा, चुनावों के दौरान विभिन्न राजनीतिक दलों द्वारा उपयोग के लिए नकदी की गड्डियां जमा की जाती हैं। विभिन्न चुनावी प्रचार खर्चों पर या मतदाताओं को उपहार के रूप में देने के लिए बड़ी रकम खर्च की जाती है। हालांकि यह गैर-कानूनी है, ऐसे लेन-देन को ट्रैक करना कठिन होता है। चौथा, शादियों जैसे आयोजनों के बिल चुकाने के लिए अक्सर नकदी का उपयोग किया जाता है। यह ऐसे लेन-देन को अज्ञात रखने और कर के बोझ से बचने में मदद करता है। ट्रेल-मुक्त कागजी मुद्रा के ऐसे अनगिनत उपयोग-मामले मौजूद हैं, जिनकी जगह डिजिटल भुगतान कभी नहीं ले सकते। विशेष रूप से, कई छोटे-मोटे विक्रेताओं ने यू.पी.आई. भुगतान स्वीकार करना बंद कर दिया है और अब ऑडिट ट्रेल से बचने के लिए नकदी पर जोर दे रहे हैं। पिछले कुंभ मेले के दौरान कई फेरीवालों द्वारा खाद्य पदार्थ बेचकर भारी रकम कमाने के यू.पी.आई. रिकॉर्ड खुलासों ने टैक्स अधिकारियों का ध्यान आकर्षित किया था। दूसरी ओर, डिजिटल धोखाधड़ी की घटनाओं ने लोगों को, विशेषकर पुरानी पीढ़ी के उन लोगों को नाराज किया है जो तकनीक के जानकार नहीं हैं। इसके अलावा, बढ़ते ऑनलाइन फ्रॉड और भारत की शिकायत निवारण प्रणाली के अभी भी शुरुआती स्तर पर होने के कारण, कई लोगों ने डिजिटल भुगतान प्रणाली से खुद को दूर कर लिया है। अंत में, कोविड के बाद एहतियाती कारण बढ़ गया है, जिससे लोग आपात स्थिति के लिए घरों में नकदी रखने लगे हैं। महामारी के दौरान, अस्पतालों में भर्ती होने की बाढ़ के बीच बीमाकर्त्ताओं से प्रतिपूर्ति को लेकर अनिश्चितता के कारण कई अस्पतालों और नर्सिंग होम द्वारा प्रवेश के लिए नकद भुगतान पर जोर देने के कई मामले सामने आए थे। नकदी का उपयोग ऐसे अज्ञात दानदाताओं द्वारा भी किया जाता है, जो प्राप्तकर्त्ताओं या अपने साथियों द्वारा पहचाने जाने की इच्छा नहीं रखते। हर किसी को डिजिटल लेन-देन पर स्थानांतरित करना और नकदी से पूरी तरह दूर ले जाना लगभग असंभव प्रतीत होता है।

फर्जी दस्तावेज पर लोन लेकर एनबीएफसी को लगाया 1 करोड़ से ज्यादा का चूना, 5 के खिलाफ

नई दिल्ली, एजेंसी। राजधानी दिल्ली में फर्जी दस्तावेज के जरिये लोन लेकर एनबीएफसी को एक करोड़ से अधिक का चूना लगाने का मामला सामने आया है। मंदिर मार्ग थाना पुलिस ने दिल्ली विकास प्राधिकरण के फर्जी कन्वेयंस डीड के आधार पर एक नॉन-बैंकिंग फाइनेंस कंपनी ''एक्सिस फाइनेंस लिमिटेड'' से 1.06 करोड़ रुपये की ठगी करने के आरोप में 5 लोगों के खिलाफ दो अलग-अलग एफआईआर दर्ज की है। पुलिस में दर्ज कराई गई शिकायतों के अनुसार, जालसाजों ने द्वारका के सेक्टर-14 स्थित शहीद भगत सिंह अपार्टमेंट के दो फ्लैटों को गिरवी रखकर इस ठगी को अंजाम दिया। पहले मामले में हिमांशु शर्मा, उसके पिता संजय शर्मा और जतिन नामक आरोपियों ने द्वारका सेक्टर-14 के एक फ्लैट के लिए 48.76 लाख रुपये का लोन स्वीकृत कराया।

इन्होंने 2015 की पंजीकृत डीडीए कन्वेयंस डीड और प्रापर्टी के दस्तावेज जमा कराए। प्रापर्टी का मूल्यांकन 65 लाख रुपये लगाकर एनबीएफसी ने विक्रेता को 34.30 लाख रुपये लोन जारी कर दिए। वहीं, दूसरे मामले में इसी अपार्टमेंट के एक अन्य फ्लैट पर संजय शुक्ला और उसकी मां शशिकला शुक्ला ने 2013 की कन्वेयंस डीड के आधार पर 57.60 लाख रुपये का लोन मंजूर कराया।

जांच करने पर धोखाधड़ी का पता चला

इस मामले में भी कंपनी ने विक्रेता के खाते में 34.90 लाख रुपये ट्रांसफर कर दिए। लोन की राशि जारी होने के बाद जब कंपनी ने नियमित जांच की, तब धोखाधड़ी का पता चला। एक मामले में पता चला कि जिस फ्लैट पर लोन लिया गया था, वह पहले से ही अन्य बैंकों के पास गिरवी है और वहां किसी अनजान व्यक्ति का कब्जा है जो मरम्मत का काम करा रहा था। वहीं, दूसरे मामले में, वह संपत्ति सालों पहले ही किसी और व्यक्ति को बेची जा चुकी थी। सब-रजिस्ट्रार कार्यालय से सत्यापित प्रतियां निकालने पर पता चला कि जमा कराए गए मूल दस्तावेज फर्जी थे। उधर, आधिकारिक रिकॉर्ड में जहां हाथ से जानकारी लिखी गई थी, वहीं आरोपियों के जमा किए गए कागजातों में वे प्रविष्टियां टाइप की गई थीं।

फर्जी कागजात तैयार

शुरुआती जांच के अनुसार, सोनिया विहार के रहने वाले सभी आरोपी एक सिंडिकेट की तरह काम कर रहे थे। इनका तरीका एक ही सोसाइटी के फ्लैटों को निशाना बनाना और एक ही सब-रजिस्ट्रार कार्यालय के फर्जी कागजात तैयार करना था। मंदिर मार्ग पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर

हिमाचल में अभी राहत नहीं देगा मौसम, 3 जिलों के लिए भारी बारिश का अलर्ट

शिमला, एजेंसी। हिमाचल प्रदेश में वर्षा और भूस्खलन के कारण लोगों की परेशानी कम होने का नाम नहीं ले रही है। इससे प्रदेशभर में 110 सड़कें, 114 ट्रांसफार्मर और 51 पेयजल योजनाएं बंद हैं। मौसम विज्ञान केंद्र शिमला ने पांच सितंबर तक मंडी, बिलासपुर, सिरमौर में कुछ स्थानों पर मध्यम से भारी वर्षा की संभावना जताई है। प्रशासन ने स्थानीय लोगों और पर्यटकों को नदी-नालों के समीप न जाने तथा संवेदनशील इलाकों में सतर्कता बरतने की सलाह दी है। मानसून सीजन में 30 जून से दो सितंबर तक करीब 1,202.96 करोड़ रुपये का नुकसान हो चुका है। इसमें लोक निर्माण विभाग को 530.61 करोड़ तथा जल शक्ति विभाग को 258.61 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है। अब तक 107 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि सड़क हादसों में 154 लोग जान गंवा चुके हैं।**बीते 24 घंटे का हाल और मानसूनी नुकसान:** भारी वर्षा से बीते 24 घंटों में बिलासपुर के श्री नैना देवी में सबसे अधिक 130.6 मिलीमीटर, मंडी के मुरारी देवी में 85.8 और सिरमौर के नाहन में 45.4, कसौली में 45 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई है।

भारतीय वस्त्र और फैशन उद्योग को वैश्विक पटल पर ले जाने के लिए भारत-फ्रांस के बीच हुआ समझौता

नई दिल्ली,एजेंसी। भारतीय वस्त्र और फैशन उद्योग को वैश्विक पटल पर नई ऊंचाइयों तक ले जाने के उद्देश्य से भारत-फ्रांस के बीच पेरिस में प्रीमियर विजन प्रदर्शनी के दौरान एक ऐतिहासिक समझौता हुआ। केन्द्रीय वस्त्र मंत्रालय के अनुसार भारत टेक्सटाइल ट्रेड फेडरेशन (बीटीटीएफ) और रचनात्मक फैशन तथा वस्त्रों के लिए दुनिया के अग्रणी प्लेटफॉर्म %प्रीमियर विजन एसए% ने बुधवार को (2 सितंबर) एक बहुवर्षीय रणनीतिक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। बीटीटीएफ कोर कमेटी सदस्य एवं परिधान निर्यात संवर्धन परिषद (एईपीसी) के अध्यक्ष डॉ. ए. शक्तिवेल और प्रीमियर विजन एसए (फैशन डिवीजन) की

मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) फ्लोरेंस रूसन ने हस्ताक्षर किए। इस रणनीतिक साझेदारी का मुख्य उद्देश्य भारतीय वस्त्रों को वैश्विक लक्जरी और उच्च-स्तरीय फैशन उद्योग से जोड़ना, टिकाऊ उत्पादन को बढ़ावा देना और भारत को वॉल्यूम-आधारित (मात्रा-आधारित) निर्यात से आगे बढ़ाकर उच्च-मूल्य (हाई-वैल्यू) तथा डिजाइन-आधारित निर्यात केंद्र के रूप में स्थापित करना है।यह समझौता जनवरी 2026 में संपन्न हुए भारत-यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) के तुरंत बाद आया है, जिससे भारतीय निर्यातकों के लिए यूरोपीय बाजारों का रास्ता और आसान हो गया है। वर्ष 2025 में यूरोपीय संघ का कुल कपड़ा एवं परिधान आयात लगभग 292.8 अरब डॉलर था, जिसमें भारत की हिस्सेदारी वर्तमान में 10.4 अरब डॉलर है।

एफटीए के तहत भारत के 99.5 प्रतिशत निर्यात को कवर करने वाली 96.8 प्रतिशत टैरिफ लाइनों पर रियायती पहुंच मिली है, जिसमें कपड़ा एवं परिधान क्षेत्र पर शून्य-शुल्क लागू होने से भारतीय प्रतिस्पर्धात्मकता में भारी उछाल आएगा। इसमें ज्ञान सत्र एवं प्रतिनिधिमंडल दोनों देश परस्पर व्यापार प्रदर्शनियों में प्रतिनिधिमंडलों, वक्ताओं और विशेषज्ञों का आदान-प्रदान करेंगे। बाजार पहुंच व निर्यातखरीदार-विक्रेता बैठकों (बी2बी) और बाजार सूचनाओं के आदान-प्रदान से निर्यात को बढ़ावा दिया जाएगा। टिकाऊ उत्पादन उत्पादन में चक्रीयता, पता लगाने की क्षमता और जिम्मेदार सोर्सिंग को प्राथमिकता मिलेगी।

महिलाओं के नाम संपत्ति की रजिस्ट्री पर पंजीयन शुल्क में 50 प्रतिशत की छूट

रायपुर। महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने और उन्हें संपत्ति में अधिकार दिलाने की दिशा में छत्तीसगढ़ सरकार के महत्वपूर्ण निर्णय का लाभ अब जमीन की रजिस्ट्री में भी दिखाई देने लगा है। महिलाओं के पक्ष में अचल संपत्ति के अंतरण से संबंधित दस्तावेजों पर पंजीयन शुल्क में 50 प्रतिशत की छूट दिए जाने से रायगढ़ निवासी श्रीमती शर्मिला मिश्रा को जमीन की रजिस्ट्री में करीब 25 हजार रुपये की बचत हुई है। उन्होंने इस पहल के लिए मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के प्रति आभार व्यक्त किया है। राज्य सरकार के निर्णय के अनुसार महिलाओं के नाम पर होने वाली जमीन एवं अन्य अचल संपत्ति की रजिस्ट्री में पंजीयन शुल्क को आधा कर

दिया गया है। पहले संपत्ति के बाजार मूल्य के आधार पर पंजीयन शुल्क 4 प्रतिशत की दर से लिया जाता था, जिसे अब महिलाओं के पक्ष में होने वाली रजिस्ट्री के लिए घटाकर 2 प्रतिशत कर दिया गया है। इससे महिलाओं को संपत्ति खरीदने और अपने नाम पर संपत्ति दर्ज कराने में सीधे आर्थिक राहत मिल रही है। रजिस्ट्री के खर्च में सीधे मिली राहत रायगढ़ की श्रीमती शर्मिला मिश्रा ने इस सुविधा का लाभ लेते हुए जमीन की रजिस्ट्री अपने नाम कराई। पंजीयन शुल्क में 50 प्रतिशत की छूट मिलने से उन्हें करीब 25 हजार रुपये की बचत हुई। उन्होंने कहा कि महिलाओं के नाम पर संपत्ति की रजिस्ट्री को प्रोत्साहित करने वाला यह निर्णय आर्थिक राहत देने के साथ-साथ महिलाओं के संपत्ति अधिकार को भी मजबूत करता है। श्रीमती शर्मिला मिश्रा ने मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि महिलाओं के नाम पर संपत्ति होने से उनकी आर्थिक आत्मनिर्भरता और सामाजिक सुरक्षा को मजबूती मिलती है। राज्य सरकार का यह निर्णय महिलाओं को संपत्ति में अधिक अधिकार देने और उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

अटल आरोग्य लैब बनी मरीजों के लिए संजीवनी, 134 प्रकार की जांच निःशुल्क

निजी लैब की दौड़ और जांच के खर्च से मिली राहत, डिजिटल माध्यम से घर बैठे रिपोर्ट की सुविधा

रायपुर। सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों में अटल आरोग्य लैब की सुविधा आम मरीजों के लिए बड़ी राहत बनकर सामने आई है। अब जांच के लिए निजी पैथोलॉजी सेंटरों के चक्कर लगाने और जांच पर खर्च होने वाली राशि की चिंता कम हुई है। अटल आरोग्य लैब के माध्यम से करीब 134 प्रकार की विभिन्न चिकित्सा जांचें निःशुल्क उपलब्ध कराई जा रही हैं। साथ ही, जांच रिपोर्ट डिजिटल माध्यम से प्राप्त करने की सुविधा से मरीजों को समय और धन दोनों की बचत हो रही है। रायगढ़ निवासी अमन नायक ने अटल आरोग्य लैब की सुविधा का अनुभव साझा करते हुए बताया कि बुखार की शिकायत के बाद वे जिला अस्पताल में रक्त जांच कराने पहुंचे। यहां उन्हें अटल आरोग्य लैब के माध्यम से आवश्यक जांच की सुविधा निःशुल्क मिली। उन्होंने बताया कि लैब में विभिन्न प्रकार की जांचें उपलब्ध हैं और रिपोर्ट डिजिटल

माध्यम से प्राप्त करने की सुविधा भी दी जा रही है।**निःशुल्क जांच से निजी पैथोलॉजी का खर्च हुआ कमः** अमन नायक ने बताया कि पहले जांच कराने के लिए निजी संस्थानों का सहारा लेना पड़ता था, जहां जांच पर काफी राशि खर्च होती थी और रिपोर्ट के लिए भी इंतजार करना पड़ता था। अब सरकारी अस्पताल में ही आवश्यक जांच की सुविधा मिलने से आर्थिक बोझ कम हुआ है। उन्होंने कहा कि अटल आरोग्य लैब से जांच प्रक्रिया पहले की तुलना में आसान और सुविधाजनक हुई है। उन्होंने लैब के स्टाफ और चिकित्सकों के सहयोग की सराहना करते हुए कहा कि सरकारी अस्पताल में जांच से लेकर उपचार तक आवश्यक स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध होने से मरीजों को निजी संस्थानों में जाने की जरूरत कम हो रही है। अमन नायक ने मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त करते हुए अटल आरोग्य लैब की पहल को आम लोगों के लिए उपयोगी बताया।**समय पर जांच से उपचार में भी तेजी:** अटल आरोग्य लैब का उद्देश्य सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों में आधुनिक और विश्वसनीय जांच सुविधाएं उपलब्ध कराना है, ताकि मरीजों को उपचार के लिए आवश्यक जांच अपने जिले और नजदीकी सरकारी स्वास्थ्य केंद्र में ही मिल सके। जांच प्रक्रिया को आधुनिक एवं सुविधाजनक बनाने के साथ रिपोर्ट डिजिटल माध्यम से उपलब्ध कराने की व्यवस्था की गई है। इससे मरीजों को रिपोर्ट लेने के लिए बार-बार अस्पताल आने की आवश्यकता भी कम होती है। समय पर जांच रिपोर्ट मिलने से चिकित्सकों को मरीज की स्थिति के अनुसार उपचार संबंधी निर्णय लेने में सुविधा होती है। इस तरह अटल आरोग्य लैब जांच और उपचार के बीच लगने वाले समय को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। ग्रामीण क्षेत्रों तक पहुंची आधुनिक जांच सुविधा अटल आरोग्य लैब की सुविधा जिला मुख्यालय तक सीमित नहीं है। बल्कि जिले के विभिन्न सामुदायिक और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों तक इसका विस्तार किया गया है। रायगढ़ जिले में जिला चिकित्सालय रायगढ़ के अलावा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र घरघोड़ा, लोईंग, पुसौर, तमनार और खरसिया तथा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बिंजकोट, किरोड़ीमल नगर, कोड़ातराई, मिडमिड़ा, बंगुरसिया, छपोरा, डूमरपाली, जामगांव, नंदेली, नवरंगपुर, पुटकापुरी, संबलपुरी और सिसरिंगा में अटल आरोग्य लैब की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है।

अक्टूबर में हर निर्माणाधीन स्थल पर दिखे काम, बरसात के बाद युद्धस्तर पर शुरू हो निर्माण’

अधिकारियों को बिना अनुमति कार्यालय नहीं छोड़ने के दिए निर्देश, निर्माण स्थलों की समस्याओं को तत्परता से निराकृत करने कहा

रायपुर । लोक निर्माण विभाग के सचिव श्री मुकेश कुमार बंसल ने बरसात के समाप्त होते ही निर्माणाधीन पुल-पुलियों और राष्ट्रीय राजमार्गों के कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने सभी निर्माणाधीन कार्यों का एक सप्ताह के भीतर ठेकेदारों के साथ स्थल निरीक्षण कर काम आगे बढ़ाने की अग्रिम तैयारी सुनिश्चित करते हुए बरसात के तुरंत बाद निर्माण कार्य युद्धस्तर पर शुरू करने को कहा है। उन्होंने कहा कि अक्टूबर में सभी निर्माण स्थलों पर काम होते हुए दिखना चाहिए। श्री बंसल ने आज नवा रायपुर स्थित पीडब्ल्यूडी मुख्यालय ‘निर्माण भवन’ में पुल-पुलियों और राष्ट्रीय राजमार्गों के निर्माण की प्रगति की समीक्षा करते हुए वर्ष 2025-26 और 2026-27 के प्राथमिकता वाले कार्यों के प्राक्कलन 20 सितम्बर तक जमा करने के निर्देश दिए। उन्होंने बारिश से क्षतिग्रस्त पुलों की मरम्मत के साथ रेलिंग और दीवारों की पेंटिंग का काम 30 नवम्बर तक पूरा करने को कहा। लोक निर्माण विभाग के सचिव ने बैठक में सेतु परिक्षेत्र के सभी संभागों के कार्यपालन

अभियंताओं को अपने-अपने संभागों में भ्रमण कर पुल-पुलियों की वास्तविक जरूरत का आकलन कर लोगों की जरूरतों के अनुरूप नए पुल-पुलियों के निर्माण के प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश दिए। उन्होंने पुराने और क्षतिग्रस्त पुलों की स्थिति पर भी लगातार नजर रखने और जहां आवश्यकता हो, वहां नए पुलों के निर्माण के प्रस्ताव भेजने को कहा। सप्ताह में दो दिन साइट पर जाएं श्री बंसल ने कार्यपालन अभियंताओं और अधीक्षण अभियंताओं को सप्ताह में दो दिन अनिवार्य रूप से निर्माण स्थलों पर जाकर कार्यों के निरीक्षण के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि निर्माण की गुणवत्ता और समय-सीमा से कोई समझौता नहीं होना चाहिए। उन्होंने काम में लापरवाही बरतने या कार्य की गति धीमी रखने वाले ठेकेदारों पर कार्रवाई करने को कहा। उन्होंने कार्यपालन अभियंताओं और अनुविभागीय अधिकारियों को बिना अनुमति कार्यालय नहीं छोड़ने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को अपने कार्यक्षेत्र में मौजूद रहते हुए निर्माण स्थलों की समस्याओं को तत्परता से निराकृत करने को कहा। नए कार्यों की नवम्बर तक हो निविदा, जनवरी तक शुरू हों काम श्री बंसल ने नए कार्यों की निविदा प्रक्रिया नवम्बर तक पूरी करने और जनवरी तक सभी कार्य हर हाल में शुरू करने को कहा। उन्होंने ठेकेदारों को समय पर ले-आउट, ड्राइंग-डिजाइन और कार्यस्थल उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कार्यस्थलों पर आने वाली समस्याओं का तत्परता से समाधान करने को कहा। उन्होंने ठेकेदारों द्वारा किए जा रहे कार्यों की गंभीरता से मॉनिटरिंग और निरीक्षण करने के निर्देश दिए। हर महीने करें भुगतान, काम पूरा होने के तीन माह में अनुबंध क्लोज करें लोक निर्माण विभाग के सचिव ने ठेकेदारों को हर महीने भुगतान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए, ताकि कार्यों की भौतिक और वित्तीय प्रगति प्रभावित न हो। उन्होंने कार्य पूर्ण होने के बाद तीन माह के भीतर सभी दस्तावेजी प्रक्रिया और भुगतान पूरा कर अनुबंध क्लोज करने को कहा।

गतिशक्ति पोर्टल पर 10 सितम्बर तक जानकारी अपलोड करें: श्री बंसल ने भारत सरकार के गतिशक्ति पोर्टल पर प्रदेश के सभी पुल-पुलियों की जानकारी 10 सितम्बर तक अपलोड करने के निर्देश दिए। उन्होंने निर्धारित समय-सीमा में जानकारी अपलोड नहीं करने वाले अधिकारियों को कारण बताओ नोटिस जारी करने को कहा। उन्होंने सीपीग्राम्स (CPGRAMS) और सीएम-हेल्पलाइन में प्राप्त शिकायतों और मांगों का गुणवत्तापूर्ण निराकरण करने के निर्देश दिए। साथ ही न्यायालयीन मामलों, अनुकंपा नियुक्ति और पेंशन से जुड़े प्रकरणों के निपटारे की हर महीने समीक्षा करने को कहा। ’एनएचएआई और केन्द्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय के अधिकारियों के साथ बेहतर समन्वय बनाकर कार्यों में लाएं तेजी ‘

दिल्ली के घी और पंजाब की मिर्च की बिक्री पर राजस्थान में रोक, 9 प्रतिष्ठानों के लाइसेंस सस्पेंड

जयपुर, एजेंसी। राजस्थान सरकार के खाद्य सुरक्षा विभाग ने पंजाब, दिल्ली और राजस्थान की कंपनियों द्वारा निर्मित देशी घी और मिर्च पाउडर के बाजार में बेचे जाने पर रोक लगाई गई है। कुल चार ब्रांड के देशी घी की बिक्री पर दो माह के लिए रोक लगाई गई है। खाद्य सुरक्षा विभाग से मिली जानकारी के अनुसार, दिल्ली के सरनाथ औधोगिक क्षेत्र में केडीपी फूड इंडस्ट्रीज द्वारा निर्मित कृष्णा ब्रांड, पंजाब के फाजिल्का स्थित मैसर्स हिमाया फूड्स प्रा.लि. का जीएस गोल्ड ब्रांड का लाल मिर्च पाउडर और राजस्थान में बालोतरा के मैसर्स दिशा एंटरप्राइजेज का नंदी ब्रांड देशी घी, बाड़मेर के श्री सांवरिया इंडस्ट्रीज के गोल्डन थार ब्रांड देशी घी पर रोक लगाई गई है। जयपुर में अविध पार की खाद्य सामग्री बेचने के आरोप में विधाधर नगर स्थित बालाजी जायका, कुकरखेड़ा स्थित मैसर्स गणपति ड्राईफ्रेट्स और निर्माण नगर स्थित फूड कैफे का खाद्य लाइसेंस निलंबित किया गया है। कुल नौ प्रतिष्ठानों के लाइसेंस सस्पेंड कर दिए गए हैं। पूर्व में असुरक्षित खाद्य पदार्थों की बिक्री के कारण लाइसेंस निलंबित किए जाने के बावजूद बिना वैध लाइसेंस या रजिस्ट्रेशन के खाद्य कारोबार जारी रखने पर जयपुर के तीन प्रतिष्ठानों के खाद्य लाइसेंस एवं रजिस्ट्रेशन निरस्त कर दिए गए हैं। इनमें विद्याधर नगर स्थित एम/एस बालाजी जयका, कूकड़खेड़ा स्थित एम/एस गणपति ड्राईफ्रूट्स तथा निर्माण नगर स्थित द कंबू कैफे फूड एंड बेवरेजेज शामिल हैं।

प्रदीप भंडारी ने मान पर साधा निशाना

नई दिल्ली,, एजेंसी। भारतीय जनता पार्टी ने आरोप लगाया है कि मुख्यमंत्री भगवंत मान के नेतृत्व में आम आदमी पार्टी ने पंजाब को लूट का मॉडल बना दिया है। भाजपा नेता एवं प्रवक्ता प्रदीप भंडारी ने गुरुवार को प्रेस वार्ता कर मुख्यमंत्री भगवंत मान, दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और मुख्यमंत्री की पत्नी को घेरा और कहा कि पंजाब में एक ऐसा कथित सिंडिकेट काम कर रहा है, जिसमें बिचौलियों के जरिए मामलों को प्रभावित करने की कोशिश की जा रही है। प्रदीप भंडारी ने दावा किया कि उनके सामने कुछ ऐसे ऑडियो और अन्य साक्ष्य आए हैं, जिनसे कथित तौर पर संकेत मिलता है कि पंजाब में रेप के मामलों को खत्म कराने के नाम पर पैसों के लेन-देन का नेटवर्क चलाया जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि इस पूरे मामले में मुख्यमंत्री कार्यालय की भूमिका की भी जांच होनी चाहिए।
प्रेस वार्ता के दौरान भंडारी ने कथित ऑडियो का हवाला देते हुए गुरमिंदर चहल नाम के एक व्यक्ति का जिक्र किया, जिसे उन्होंने बिचौलिया बताया। उनके मुताबिक, ऑडियो में कथित तौर पर चहल एक रेप के आरोपी के रिश्तेदार से बातचीत करते हुए यह दावा कर रहा है कि मुख्यमंत्री को मामले की जानकारी दे दी गई है और अब मुख्यमंत्री भी इसमें शामिल हैं।भंडारी ने आरोप लगाया कि बातचीत में आरोपी के रिश्तेदार को भरोसा दिलाया जा रहा है कि मामले को वापस लेने और खत्म कराने की प्रक्रिया की जा सकती है तथा बाद में अपने कदम से पीछे नहीं हटने के लिए कहा जा रहा है। उन्होंने सवाल उठाया कि क्या इस तरह के मामलों को खत्म कराने के लिए किसी तरह का आर्थिक लेन-देन हो रहा है और क्या इसमें मुख्यमंत्री आवास या मुख्यमंत्री कार्यालय तक पैसे पहुंचाने का कोई कथित नेटवर्क है।उन्होंने कहा कि सामने आया ऑडियो प्रथम दृष्टया गंभीर सवाल खड़े करता है और इसकी निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। भंडारी ने आरोप लगाया कि पंजाब में भ्रष्टाचार का एक नया मॉडल विकसित हो रहा है, जिसमें बिचौलियों के माध्यम से संवेदनशील आपराधिक मामलों को प्रभावित करने की कोशिश की जा रही है।

अबूझमाड़ की सुकनी बनीं मिसाल

रायपुर। छत्तीसगढ़ सरकार की श्महतारी वंदन योजनाश् न केवल महिलाओं को आर्थिक संबल प्रदान कर रही है, बल्कि ग्रामीण अंचलों में सुदूर परिवारों के भविष्य को सुरक्षित करने का सशक्त जरिया भी बन रही है। नारायणपुर जिले के कठिन भौगोलिक क्षेत्र अबूझमाड़ (विकासखंड ओरछा) के ग्राम कोहकामेटा की रहने वाली श्रीमती सुकनी नुरेटी ने इस योजना का रचनात्मक उपयोग कर महिला सशक्तिकरण की एक नई मिसाल पेश की है। बेटी के सुनहरे और सुरक्षित भविष्य की नींव रखने में किया उपयोग सुकनी नुरेटी को महतारी वंदन योजना के तहत हर माह मिलने वाली वित्तीय सहायता ने न केवल छोटी-मोटी जरूरतों के लिए आत्मनिर्भर बनाया है, बल्कि उनमें बचत की सोच भी विकसित की है। उन्होंने इस राशि का उपयोग केवल दैनिक खर्चों तक सीमित न रखकर, अपनी बेटी के सुनहरे और सुरक्षित भविष्य की नींव रखने में किया है। वे हर महीने मिलने वाली सहायता राशि में से बचत कर बेटी के नाम श्सुकन्या समृद्धि योजनाश् के खाते में नियमित रूप से पैसे जमा कर रही हैं।

मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने सूरजपुर और भैयाथान में विकासखंड स्तरीय समीक्षा बैठक

रायपुर। महिला एवं बाल विकास तथा समाज कल्याण मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने आज सूरजपुर एवं भैयाथान में आयोजित विकासखंड स्तरीय समीक्षा बैठकों में विभागीय योजनाओं एवं विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को शासन की योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करते हुए पात्र हितग्राहियों तक योजनाओं का लाभ समयबद्ध रूप से पहुंचाने के निर्देश दिए। मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने बैठक में योजनाओं की जमीनी स्थिति की जानकारी लेते हुए मैदानी स्तर पर कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग, गुणवत्ता और पारदर्शिता सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया। आमजन से जुड़ी समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर निराकरण करते हुए योजनाओं के क्रियान्वयन में तेजी लाई जाए। श्रीमती राजवाड़े ने कहा कि सुशासन का वास्तविक उद्देश्य शासन की योजनाओं और सुविधाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना है।विभागीय योजनाओं का लाभ वास्तविक जरूरतमंदों तक पहुंचे और विकास कार्यों का सकारात्मक प्रभाव आमजन के जीवन में दिखाई दे, इसके लिए निरंतर समीक्षा और प्रभावी मॉनिटरिंग जरूरी है।

लखपति दीदी' बन प्रदेश की 28 लाख से अधिक महिलाएं बनीं परिवार की आर्थिक धुरी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के गांवों में महिलाएं आर्थिक बदलाव की नई कहानी लिख रहीं हैं। कभी घर की चारदीवारी और खेती-किसानी में सहयोग तक सीमित मानी जाने वाली ग्रामीण महिलाएं अब बचतकर्ता से उद्यमी और परिवार की सहयोगी से उसकी आर्थिक ताकत बन रही हैं। योगी सरकार के ग्रामीण आजीविका मिशन ने इस बदलाव को व्यापक आधार दिया है। प्रदेश में साढ़े दस लाख से अधिक स्वयं सहायता समूहों से जुड़कर करीब सवा करोड़ ग्रामीण परिवार आत्मनिर्भर बने हैं और इनमें से 28 लाख से अधिक महिलाएं 'लखपति दीदी' बनकर ग्रामीण समृद्धि का नया चेहरा बन गई हैं। यह बदलाव केवल महिलाओं की आय बढ़ने तक सीमित नहीं है, बल्कि गांवों में पूंजी, उत्पादन, बाजार और रोजगार का नया चक्र भी खड़ा कर रहा है।

आजीविका मिशन की सबसे बड़ी उपलब्धि उसका विशाल नेटवर्क ही नहीं, बल्कि गांवों में विकसित हो रहा सामुदायिक आर्थिक तंत्र है। छोटी-छोटी बचत से शुरू हुआ महिलाओं का सफर अब बैंकिंग, ऋण, उत्पादन, प्रसंस्करण, विपणन और उद्यमिता तक पहुंच गया है।

योगी सरकार ने स्वयं सहायता समूहों को केवल वित्तीय सहयोग का माध्यम बनाने के बजाय उन्हें आर्थिक स्वावलंबन की पहली सीढ़ी बनाया है। समूहों से आगे 65,544 ग्राम संगठनों और 3,298 संकुल स्तरीय संघों का ढांचा खड़ा कर महिलाओं को ऐसा संस्थागत आधार दिया गया है, जो उनकी आजीविका को स्थायित्व और कारोबार को विस्तार दे रहा है। ग्रामीण आजीविका मिशन की बुनियाद सामूहिकता की उस ताकत पर टिकी है, जिसमें महिलाएं संगठित होकर अपनी आर्थिक क्षमता बढ़ाती हैं। स्वयं सहायता समूह में नियमित छोटी बचत से शुरुआत होती है। यही बचत वित्तीय अनुशासन पैदा करती है और आगे बैंक ऋण तथा दूसरे संस्थागत वित्त तक पहुंच का रास्ता खोलती है। मिशन निदेशक अरुण कुमार ने बताया कि इस व्यवस्था ने उस ग्रामीण महिला के लिए भी उद्यमिता के द्वार खोले हैं, जिसके पास न बड़ी पूंजी थी और न बाजार तक सीधी पहुंच। खेती से जुड़ी गतिविधियों से लेकर पशुपालन, दुग्ध उत्पादन, खाद्य प्रसंस्करण, स्थानीय उत्पादों के निर्माण और सेवा क्षेत्र तक महिलाएं आय के नए स्रोत विकसित कर रही हैं। इससे उनकी भूमिका परिवार की अतिरिक्त कमाई करने वाली सदस्य से आगे बढ़कर आर्थिक फैसलों में भागीदार की बन रही है। इस परिवर्तन की सबसे सशक्त तस्वीर प्रदेश की 28.16 लाख 'लखपति दीदियां' हैं। इन महिलाओं का लखपति बनना महज आय का एक आंकड़ा नहीं, बल्कि ग्रामीण परिवारों की आर्थिक संरचना में आ रहे बदलाव का संकेत है। नियमित और टिकाऊ आमदनी ने महिलाओं को परिवार की जरूरतों को पूरा करने के साथ भविष्य के लिए पूंजी तैयार करने की क्षमता भी दी है। महिला की आय बढ़ने का प्रभाव परिवार और गांव दोनों पर पड़ता है। बच्चों की शिक्षा, पोषण, स्वास्थ्य और घरेलू जरूरतों पर खर्च की क्षमता बढ़ने के साथ स्थानीय बाजार में मांग भी पैदा होती है। यही वजह है कि लखपति दीदी अभियान को केवल महिला सशक्तीकरण के दायरे में देखने की बजाय ग्रामीण अर्थव्यवस्था में नीचे से ऊपर की ओर समृद्धि पैदा करने वाले मॉडल के रूप में देखा जा रहा है। उत्तर प्रदेश में साढ़े दस लाख स्वयं सहायता समूहों से सवा करोड़ परिवारों का जुड़ना मिशन के विस्तार की व्यापकता का बड़ा उदाहरण है। इतने बड़े स्तर पर ग्रामीण परिवारों को संगठित करने से गांवों में महिलाओं की सामूहिक आर्थिक शक्ति तैयार हुई है। छोटे स्तर पर पूंजी, प्रशिक्षण और बाजार की जिन चुनौतियों का सामना अकेली महिला के लिए कठिन होता था, योगी सरकार के सहयोग और सामूहिक शक्ति ने उनका समाधान आसान किया है।

यूपी में मानसून का कहर, 21 जिलों में भारी बारिश का अलर्ट, 32 जिलों में वज्रपात की चेतावनी; 5 सितंबर तक जारी रह सकता है

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में सितंबर की शुरुआत के साथ ही मानसून पूरी तरह सक्रिय बना हुआ है। प्रदेश के कई हिस्सों में लगातार बारिश का दौर जारी है। मौसम विभाग ने बुधवार को राज्य के 21 जिलों में भारी बारिश का येलो अलर्ट जारी किया है, जबकि 32 जिलों में गरज-चमक के साथ वज्रपात की आशंका जताई गई है। मौसम विभाग ने लोगों को विशेष सतर्कता बरतने की सलाह दी है। पूर्वांचल और मध्य उत्तर प्रदेश के कई इलाकों में भारी से मूसलाधार बारिश होने की संभावना है, जबकि पश्चिमी उत्तर प्रदेश में गरज-चमक के साथ रुक-रुककर बारिश हो सकती है।मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार प्रदेश में अगले तीन से चार दिनों तक दक्षिणी और पूर्वी हिस्सों में बारिश का जोर बना रह सकता है। पश्चिमी और मध्य उत्तर प्रदेश में बारिश की गतिविधियों में धीरे-धीरे कमी आने की संभावना है, हालांकि कई स्थानों पर बादल छाए रहने और गरज-चमक के साथ बारिश का सिलसिला जारी रह सकता है। मौसम विभाग के पूर्वानुमान के मुताबिक प्रदेश के कई हिस्सों में 5 सितंबर तक बारिश और गरज-चमक की गतिविधियां देखने को मिल सकती हैं।भारी बारिश की संभावना वाले जिलों में बांदा, चित्रकूट, कौशांबी, प्रयागराज, फतेहपुर, सोनभद्र, मिर्जापुर, कानपुर देहात, कानपुर नगर, रायबरेली, मथुरा, हाथरस, आगरा, फिरोजाबाद, इटावा, औरैया, जालौन, हमीरपुर, महोबा, झांसी और ललितपुर तथा आसपास के क्षेत्र शामिल हैं। इन जिलों में कहीं-कहीं तेज बारिश होने के साथ जलभराव की स्थिति उत्पन्न होने की भी संभावना है।इसके साथ ही मौसम विभाग ने पश्चिमी, मध्य और बुंदेलखंड क्षेत्र के कई जिलों में गरज-चमक और वज्रपात को लेकर विशेष चेतावनी जारी की है। सहारनपुर, शामली, मुजफ्फरनगर, बागपत, मेरठ, गाजियाबाद, हापुड़, गौतमबुद्ध नगर, बुलंदशहर, अलीगढ़, मथुरा, हाथरस, कासगंज, एटा, आगरा, फिरोजाबाद, मैनपुरी, इटावा, औरैया, बिजनौर, अमरोहा, मुरादाबाद, रामपुर, बरेली, संभल, बदायूं, जालौन, हमीरपुर, महोबा, झांसी और ललितपुर समेत आसपास के क्षेत्रों में बिजली गिरने की आशंका जताई गई है।मौसम विभाग ने लोगों को सलाह दी है कि गरज-चमक के दौरान खुले स्थानों पर जाने से बचें। खेतों, खुले मैदानों या अन्य स्थानों पर काम कर रहे लोगों को विशेष सावधानी बरतने की जरूरत है। बिजली गिरने की आशंका के दौरान पेड़, बिजली के खंभे और कमजोर संरचनाओं के नीचे खड़े होने से बचने की सलाह दी गई है।क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केंद्र लखनऊ के वरिष्ठ वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह के अनुसार बंगाल की खाड़ी में बने सात निम्न दबाव क्षेत्रों के कारण अगस्त के दौरान मानसूनी गतिविधियां लगातार सक्रिय रहीं। इन मौसम प्रणालियों का प्रभाव उत्तर प्रदेश के विभिन्न हिस्सों में देखने को मिला और अगस्त में प्रदेश में सामान्य से अधिक बारिश दर्ज की गई।आंकड़ों के अनुसार अगस्त में उत्तर प्रदेश में सामान्य 235.5 मिलीमीटर बारिश के मुकाबले 291.3 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई। वर्ष 2018 में अगस्त के दौरान 293.1 मिलीमीटर बारिश दर्ज हुई थी। इस लिहाज से इस वर्ष अगस्त की बारिश पिछले कई वर्षों के दौरान उल्लेखनीय रही है।मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि आने वाले दिनों में दक्षिणी और पूर्वी उत्तर प्रदेश के जिलों में बारिश की गतिविधियां अपेक्षाकृत अधिक रह सकती हैं। पूर्वांचल के कुछ हिस्सों में भारी बारिश की संभावना है। वहीं पश्चिमी उत्तर प्रदेश में बारिश का प्रभाव धीरे-धीरे कम होने के बावजूद कुछ स्थानों पर रुक-रुककर बारिश और गरज-चमक बनी रह सकती है।मौसम की मौजूदा स्थिति को देखते हुए प्रशासन और स्थानीय स्तर पर भी सतर्कता बरती जा रही है।

स्नातक पाठ्यक्रमों में 33 प्रतिशत बढ़ी हुई सीटों के सापेक्ष पहले आओ पहले पाओ के आधार पर शुरू

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय द्वारा स्वीकृत सीटों में 33 प्रतिशत की वृद्धि के अंतर्गत शिया महाविद्यालय में बी.ए., बी.कॉम. तथा बी.एससी. (गणित एवं जीव विज्ञान वर्ग) में प्रवेश हेतु पात्र अभ्यर्थियों से आवेदन आमंत्रित किए जा रहे हैं। इन बढ़ी हुई सीटों पर निर्धारित पात्रता को पूर्ण करने वाले अभ्यर्थियों का प्रवेश पहले आओ, पहले पाओ के आधार पर किया जा रहा है। अभ्यर्थी आनलाइन अथवा आफलाइन दोनों माध्यम से आवेदक कर सकते हैं। आनलाइन आवेदन हेतु महाविद्यालय के एडमिशन पोर्टल एवं महाविद्यालय की वेबसाइट पर जाकर आवेदन किया जा सकता है। आफलाइन आवेदन हेतु अभ्यर्थी महाविद्यालय परिसर स्थित कैशियर काउंटर से प्रातः 10:30 बजे से सायं 4:30 बजे तक आवेदन-पत्र प्राप्त कर उसे भरकर निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार जमा कर सकते हैं। आवेदन करने की अंतिम तिथि 15 सितम्बर, 2026 है। इस सम्बन्ध में जानकारी देते हुये प्रवेश निदेशक, डॉ. एम.एम. अबु तैय्यब ने बताया कि जिन अभ्यर्थियों ने पूर्व में प्रवेश हेतु आवेदन किया था लेकिन सीट उपलब्ध न होने के कारण उनका प्रवेश नहीं हो सका था, वे भी इस अवसर का लाभ उठा सकते हैं। ऐसे अभ्यर्थी पात्रता एवं सीटों की उपलब्धता के अधीन आनलाइन माध्यम से निर्धारित शुल्क जमा कर अपना प्रवेश पूर्ण कर सकते हैं। अभ्यर्थियों को सलाह दी जाती है कि वे अपना प्रवेश यथाशीघ्र पूर्ण करें, क्योंकि प्रवेश पहले आओ, पहले पाओ के आधार पर किये जा रहे हैं और यह प्रक्रिया सीटों के भरने तक जारी रहेगी। उन्होंने यह भी बताया कि प्रवेश से सम्बन्धित किसी भी प्रकार की समस्या अथवा जानकारी के लिये ई-मेल आई. डी.व हेल्पलाइन नम्बर-9682815122, 8090033896 पर सम्पर्क कर सकते हैं।

हज यात्रियों की दो चरणों में होगी मेडिकल स्क्रीनिंग

लखनऊ। हज-2027 के चयनित यात्रियों की दो चरणों में मेडिकल स्क्रीनिंग होगी। हज जाने वाले यात्रियों को 15 सितम्बर तक मेडिकल फिटनेस प्रमाण पत्र एवं अन्य अभिलेख वेबसाइट पर अपलोड करना अनिवार्य होगा। हज कमेटी ऑफ इण्डिया द्वारा हज-2027 के चयनित हज यात्रियों की मेडिकल स्क्रीनिंग एवं फिटनेस के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। प्रथम चरण के चयन के उपरान्त तथा द्वितीय चरण की मेडिकल स्क्रीनिंग हज यात्रा की उड़ान से पूर्व कराया जाएगा। उत्तर प्रदेश राज्य हज समिति के सचिव मोहम्मद तारिक ने बताया कि चयनित हज यात्रियों को मेडिकल स्क्रीनिंग एवं फिटनेस प्रमाण पत्र, अग्रिम जमा धनराशि की रसीद तथा अन्य आवश्यक अभिलेख हज कमेटी ऑफ इण्डिया की वेबसाइट पर 15 सितम्बर, 2026 तक अपलोड करना अनिवार्य होगा। हज यात्रियों को सलाह दी गई है कि प्रथम चरण की मेडिकल स्क्रीनिंग एवं फिटनेस प्रमाण पत्र वेबसाइट पर अपलोड करने के बाद प्रमाण पत्र एवं जांच रिपोर्ट अपने पास सुरक्षित रखें, ताकि द्वितीय चरण की मेडिकल जांच के समय इन्हें प्रस्तुत किया जा सके। उन्होंने कहा कि मेडिकल जांच के दौरान हज यात्री किसी भी प्रकार की बीमारी अथवा स्वास्थ्य संबंधी जानकारी को न छिपाएं। जांच में अनफिट पाए जाने वाले हज यात्रियों की हज यात्रा नियमानुसार निरस्त कर दी जाएगी तथा उनकी जमा धनराशि नियमों के अनुसार वापस की जाएगी। यदि किसी हज यात्री द्वारा जानबूझकर स्वास्थ्य संबंधी जानकारी छिपाई जाती है और जांच में उसे अनफिट पाया जाता है, तो उसके विरुद्ध नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। ऐसी स्थिति में जमा धनराशि भी जब्त की जा सकती है।

बृजाभार द्वारा प्रस्तुत किया गया नाम परिवर्तन का दस्तावेज

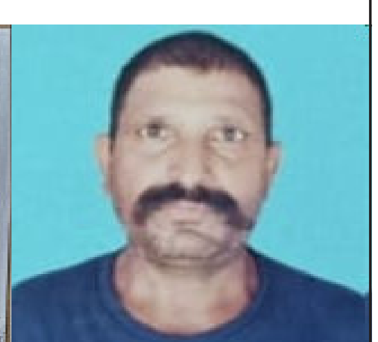

रिपोर्ट :प्रदुमन दीक्षित जिला संवाददाता कुशीनगर

कुशीनगर जनपद के खड्डा तहसील क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम लक्ष्मीपुर पड़रहवा निवासी बृजाभार पुत्र रामप्रीत ने नाम परिवर्तन का दस्तावेज राष्ट्रीय हिंदी समाचार पत्र,,जनता का सच,कार्यालय में जमा किया गया है। शपथ पत्र में बृजाभार पुत्र रामप्रीत ग्राम लक्ष्मीपुर पड़रहवा, पोस्ट -गेठीहवा थाना -खड्डा, तहसील -खड्डा जिला -कुशीनगर उत्तर प्रदेश का स्थाई निवासी हूँ। मैं अपना नाम बृजाभार से बदलकर नन्दकिशोर कर लिया है। भविष्य में सभी उद्देश्यों के लिए हमें नन्दकिशोर के नाम से जाना और पहचाना जाए।

ओडोमॉस ने दिन में सक्रिय डेंगू मच्छरों के खतरे के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए 'डेंगू मुक्त भारत' अभियान शुरू किया

मच्छर जनित बीमारियों से बचाव और जागरूकता बढ़ाने के लिए राष्ट्रव्यापी पहल की शुरुआत

लखनऊ। भारत का अग्रणी पर्सनल एप्लिकेशन मच्छर प्रतिरोधक ब्रांड ओडोमॉस ने 'डेंगू मुक्त भारत' नामक राष्ट्रव्यापी जागरूकता अभियान की शुरुआत की। इस पहल का उद्देश्य लोगों को डेंगू की रोकथाम तथा डेंगू फैलाने वाले दिन में सक्रिय मच्छरों से बचाव के महत्व के प्रति जागरूक करना है। स्कूल संपर्क कार्यक्रमों और सामुदायिक जागरूकता गतिविधियों के माध्यम से यह अभियान मानसून के दौरान मच्छरों से बचाव के प्रति जागरूकता बढ़ाने और दैनिक सुरक्षा उपायों को अपनाने के लिए लोगों को प्रेरित करेगा। यह पहल मच्छर जनित बीमारियों की रोकथाम को लेकर जागरूकता बढ़ाने और लोगों को सुरक्षा संबंधी उपाय अपनाने के लिए प्रोत्साहित करने की दिशा में ओडोमॉस के निरंतर प्रयासों का हिस्सा है। उपभोक्ता शिक्षा और सामुदायिक जागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से ब्रांड का उद्देश्य परिवारों को डेंगू, मलेरिया और अन्य मच्छर जनित बीमारियों के जोखिम से बचाव के प्रति जागरूक करना है। इस अभियान के तहत स्कूलों में छात्रों, शिक्षकों और अभिभावकों को जागरूकता सत्रों के माध्यम से डेंगू फैलाने वाले मच्छरों से प्रभावी बचाव के उपायों की जानकारी दी जाएगी। इस पहल की शुरुआत लखनऊ स्थित बाल निकुंज इंटर कॉलेज, मोहिबुल्लापुर शाखा में आयोजित एक विशेष जागरूकता सत्र से हुई। जिसमें 300 से अधिक बच्चों ने भाग लिया। इस सत्र का संचालन श्रीआयु ज्वाइंट केयर के चिकित्सक डा. राजन वर्मा ने किया। सत्र के दौरान श्री ब्यास आनन्द, हेड कार्पोरेट कम्युनिकेशंस एण्ड सीएसआर डाबर इण्डिया लिमिटेड, कालेज के प्रबन्ध निदेशक एच. एन. जायसवाल, प्रधानाचार्या श्रीमती भगवती भंडारी भी मौजूद रहे। जागरूकता सत्र को संबोधित करते हुए डॉ. राजन वर्मा ने कहा डेंगू की रोकथाम की शुरुआत जागरूकता और निरंतर सुरक्षा उपायों से होती है। चूंकि एडीज एजिप्टी मच्छर दिन के समय काटता है, इसलिए लोग केवल बाहर ही नहीं बल्कि यात्रा के दौरान स्कूल में और सार्वजनिक स्थानों पर रोजमर्रा की गतिविधियों के दौरान भी इसके जोखिम में रहते हैं। 'डेंगू मुक्त भारत' जैसी पहलें समुदायों को शिक्षित करने और उन्हें निवारक उपाय अपनाने के लिए प्रेरित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। इस पहल के बारे में बात करते हुए वैभव राठी, मार्केटिंग हेड, होम केयर, डाबर इंडिया लिमिटेड ने कहा डेंगू आज भी भारत के सामने एक गंभीर सार्वजनिक स्वास्थ्य चुनौती बना हुआ है, लेकिन डेंगू फैलाने वाले दिन में सक्रिय मच्छरों की भूमिका को लेकर जागरूकता अभी भी सीमित है।

ब्लाइंड मर्डर का खुलासा, छोटे भाई ने ही रची थी बड़े भाई की हत्या की साजिश; तीन गिरफ्तार, बाल अपचारी संरक्षण में

लखनऊ। महिगवां थाना क्षेत्र में हुई सतीश यादव की हत्या के मामले का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। डीसीपी उत्तरी की स्वाट/सर्विलांस टीम और थाना महिगवां पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है, जबकि 17 वर्ष छह माह के एक बाल अपचारी को पुलिस संरक्षण में लिया गया है। पुलिस के अनुसार हत्या पारिवारिक संपत्ति को लेकर चल रहे विवाद के चलते योजनाबद्ध तरीके से की गई थी। मामले में वांछित एक अन्य आरोपी बलबीर की गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीम दबिश दे रही है।पुलिस के मुताबिक 31 अगस्त की रात गनेशपुर स्थित प्लाटिंग क्षेत्र में निर्माणाधीन मकान की छत पर चौकीदारी कर रहे सतीश यादव की धारदार हथियार से वार कर हत्या कर दी गई थी। मृतक के पिता शिव बालक की तहरीर पर थाना महिगवां में मुकदमा संख्या 137/2026, धारा 103(1)/61(2) बीएनएस के तहत मुकदमा दर्ज कर घटना के खुलासे के लिए पुलिस टीमों को लगाया गया था।घटना को चुनौती के रूप में लेते हुए डीसीपी उत्तरी की स्वाट/सर्विलांस टीम और थाना महिगवां पुलिस ने कॉल डिटेल रिकॉर्ड का विश्लेषण, तकनीकी साक्ष्यों की जांच तथा मुखबिर तंत्र के माध्यम से जांच आगे बढ़ाई। जांच के दौरान आनंद कुमार और 17 वर्ष छह माह का बाल अपचारी संदेह के घेरे में आए। पूछताछ और विवेचना में सामने आया कि मृतक के छोटे भाई बाल अपचारी ने दीपक रावत, रचित रावत, आनंद कुमार और बलबीर के साथ मिलकर हत्या की योजना बनाई थी।पुलिस के अनुसार योजना के तहत आरोपी गनेशपुर स्थित निर्माणाधीन मकान की छत पर पहुंचे, जहां सतीश यादव सो रहा था। आरोपियों ने सोते समय चाकू और लोहे की सरिया से कई वार कर उसकी हत्या कर दी। पुलिस ने 2 सितम्बर को तड़के करीब 3:15 बजे आनंद कुमार और बाल अपचारी को हिरासत में लिया। इसके बाद मुखबिर की सूचना पर सुबह करीब 4:50 बजे दीपक रावत और रचित रावत को सिंहपुर पुलिया, थाना महिगवां क्षेत्र से गिरफ्तार कर लिया गया।पूछताछ में पुलिस को पता चला कि मृतक को ननिहाल की ओर से पारिवारिक संपत्ति के रूप में भूमि मिली थी। मृतक ने पूर्व में भूमि बेचकर प्राप्त धनराशि खर्च कर दी थी। इसके बाद वह अपने पिता पर परिवार की अन्य भूमि बेचने का दबाव बना रहा था, जिसके चलते परिवार में विवाद चल रहा था। पुलिस के अनुसार इसी विवाद और लगातार बनाए जा रहे दबाव से नाराज होकर छोटे भाई ने अपने बड़े भाई की हत्या की योजना बनाई।पुलिस के मुताबिक हत्या की सुपारी के लिए बाल अपचारी ने आनंद कुमार को खर्च के लिए 58 हजार रुपये दिए थे।

एसटीईएम लर्न.एआई ने राज्य उत्तर प्रदेश स्किल डेवलपमेंट मिशन के साथ साईन किया एमओयू

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार के वोकेशनल एजुकेशन और स्किल डेवलपमेंट विभाग के तहत उत्तर प्रदेश स्किल डेवलपमेंट मिशन और मुंबई के एसटीईएमलर्न.एआई (जो तीव्र एड्रुटेक प्राइवेट लिमिटेड की एक पहल है) ने आज एक एमओयू साईन किया है। इसका उद्देश्य उत्तर प्रदेश के युवाओं को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), रोबोटिक्स, मशीन लर्निंग और डेटा साइंस में कौशल प्रदान करना है।

इस अवसर पर यूपीएसडीएम के मिशन डायरेक्टर, आईएएस अधिकारी श्री पुलकित खरे ने कहा, 'उत्तर प्रदेश के युवा एआई के दौर में आगे बढ़ने के लिए तैयार हैं, और उन्हें ऐसा करने के लिए व्यवस्थित मार्ग प्रशस्त करना हमारी ज़िम्मेदारी है, उन्हें सिर्फ़ टेक्नोलॉजी से परिचित कराना ही नहीं पर्याप्त नहीं है, बल्कि टेक्नोलॉजी के माध्यम से करियर बनाने के लिए ज़रूरी कौशल प्रदान करना भी आवश्यक है। एसटीईएमलर्न.एआई के साथ यह पार्टनरशिप प्रोजेक्ट प्रवीण सहित हमारे छात्रों के लिए मार्ग प्रशस्त करेगी। उन्हें एआई ओलंपियाड और आईआईटी बॉम्बे के स्पार्कएक्स जैसे नेशनल प्लेटफ़ॉर्म से जोडेगी। एसटीईएमलर्न.एआई के संस्थापक और सीईओ विवेक वार्ष्णेय ने कहा, 'यह एमओयू उत्तर प्रदेश के युवाओं के प्रति पाँच साल की प्रतिबद्धता को दिखाता है, यह एक बार का प्रोग्राम नहीं है। यूपीएसडीएम के साथ मिलकर, हम एआई, रोबोटिक्स और उभरती हुई टेक्नोलॉजी में स्किल्स सिखाने का एक मज़बूत ढांचा बना रहे हैं। जो पूरे राज्य में प्रोजेक्ट प्रवीण स्कूलों और स्किलिंग सेंटरों में छात्रों तक पहुँचेगा और इसे आईआईआईटी अलाहाबाद के साथ हमारी नॉलेज पार्टनरशिप की एकेडमिक मज़बूती का समर्थन हासिल होगा। यह साझेदारी युवाओं को कौशल प्रदान करने, नौकरी के लिए तैयार करने और टेक्नोलॉजी-आधारित शिक्षा देने के लिए दोनों विभागों की प्रतिबद्धता को दिखाती है। इसे सिर्फ़ एक बैच के दायरे से आगे बढ़कर कई एकेडमिक सायकल्स में जारी रखा जाएगा। इससे प्रोजेक्ट प्रवीण सहित यूपीएसडीएम से जुड़े छात्रों को लम्बे समय के लिए एसटीईएमलर्न.एआई के एआई, रोबोटिक्स और उभरती टेक्नोलॉजी के करिकुलम, डिजिटल लर्निंग प्लेटफ़ॉर्म और ट्रेनर नेटवर्क काएक्सेस मिलता है। एसटीईएमलर्न.एआई के सह-संस्थापक और डायरेक्टर, प्रवीण गडेल्ली ने कहा, 'उत्तर प्रदेश के हर छात्र को एआई की समझ, जानकारी और कौशल का सही ज्ञान मिलना चाहिए, चाहे वे किसी भी ज़िले या स्कूल से हों। इस पार्टनरशिप के ज़रिए, हम अपना एआईसीटीई-अप्रूव्ड करिकुलम, ट्रेनर नेटवर्क और आईआईटी बॉम्बे के स्पार्कएक्स पाथवे को सीधे यूपीएसडीएम के छात्रों तक पहुँचा रहे हैं। ताकि इन्हें एआई -दौर के कार्यबल में मुकाबला करने के लिए ज़रूरी टूल्स, सर्टिफ़िकेशन और राष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिल सके। इस एमओयू में सहयोग की शर्तें, दायरा, समय-सीमा और डिलिवरेबल्स तय किए गए हैं।

संक्षिप्त समाचार

पूर्व राज्य मंत्री अनिल शर्मा के निधन पर भाजपा नेताओं ने जताया शोक

लखनऊ। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी व प्रदेश महामंत्री (संगठन) धर्मपाल सिंह समेत पार्टी नेताओं ने जनपद बुलंदशहर के शिकारपुर विधानसभा क्षेत्र से विधायक एवं पूर्व राज्य मंत्री अनिल शर्मा के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष पंकज चौधरी ने शोक संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि जनपद बुलंदशहर के शिकारपुर विधानसभा क्षेत्र से विधायक एवं पूर्व राज्य मंत्री अनिल शर्मा के निधन का समाचार अत्यंत दुःखद है। उनका निधन भाजपा परिवार के लिए अपूरणीय क्षति है, मेरी संवेदनाएं उनके परिजनों के साथ है। ईश्वर से प्रार्थना है कि दिवंगत पुण्यात्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दें। शोकाकुल परिजनों एवं समर्थकों को यह अपार दुःख सहने की शक्ति प्रदान करें। भाजपा प्रदेश महामंत्री (संगठन) धर्मपाल सिंह ने शोक संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि भाजपा नेता, पूर्व राज्य मंत्री एवं शिकारपुर विधानसभा क्षेत्र के लोकप्रिय विधायक अनिल शर्मा के निधन की हृदयविदारक सूचना से मन अत्यंत व्यथित है। ईश्वर से प्रार्थना है कि दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान प्रदान करें और इस अपार दुःख की घड़ी में शोकाकुल परिवार, शुभचिंतकों एवं समर्थकों को धैर्य और शक्ति दें। भावभीनी श्रद्धांजलि।

किराये के कमरे में मिला युवक का शव, दुर्गंध आने पर पुलिस ने खुलवाया दरवाजा

लखनऊ। आलमबाग थाना क्षेत्र में किराये के कमरे से दुर्गंध आने पर पुलिस ने दरवाजा खुलवाया तो अंदर एक युवक का शव पड़ा मिला। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचायतनामा और पोस्टमार्टम की कार्रवाई शुरू कर दी है।पुलिस के अनुसार कानपुर रोड स्थित मवैया निवासी मकान मालिक अजय कुमार ने बुधवार को सूचना दी कि उनके मकान में किराये पर रहने वाले राजू पुत्र गंगाराम, उम्र करीब 36 वर्ष, का कमरा अंदर से बंद है और कमरे से तेज दुर्गंध आ रही है। सूचना मिलते ही आलमबाग पुलिस मौके पर पहुंची।पुलिस ने कमरे का दरवाजा खुलवाया तो अंदर तख्त पर करीब 36 वर्षीय व्यक्ति का शव पड़ा मिला। प्रथम दृष्टया शव कई समय से पड़ा होने के कारण दुर्गंध आने की आशंका जताई जा रही है। मृतक के परिजनों और वारिसानों के संबंध में जानकारी जुटाई जा रही है।पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचायतनामा भरने के साथ पोस्टमार्टम के लिए भेजने की कार्रवाई शुरू कर दी है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और अन्य उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर मृत्यु के कारणों का पता चलने के बाद आगे की आवश्यक विधिक कार्रवाई की जाएगी।

फर्जी टोल कलेक्शन घोटाले में ईडी का शिकंजा

लखनऊ। उत्तर प्रदेश समेत देशभर में कथित फर्जी टोल कलेक्शन घोटाले के मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने शिकंजा कस दिया है। ईडी ने उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, राजस्थान, महाराष्ट्र, जम्मू-कश्मीर, पश्चिम बंगाल और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र से जुड़े करीब 14 ठिकानों पर छापेमारी कर जांच शुरू की है। उत्तर प्रदेश में वाराणसी के ठिकानों पर भी ईडी की कार्रवाई जारी है।बताया जा रहा है कि कथित घोटाले में भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के सर्वर के समानांतर फर्जी अथवा पाइरेटेड सॉफ्टवेयर तैयार कर टोल वसूली में बड़े पैमाने पर हेराफेरी की जा रही थी। उत्तर प्रदेश विशेष कार्यबल ने पहले इस कथित टोल चोरी के नेटवर्क का खुलासा किया था।जांच में कथित तौर पर यह तथ्य सामने आया कि वास्तविक टोल वसूली का केवल करीब 5 प्रतिशत हिस्सा सरकारी रिकॉर्ड में दर्ज किया जा रहा था, जबकि शेष 95 प्रतिशत राशि में हेराफेरी किए जाने का आरोप है। आरोप है कि इस अवैध वसूली से प्राप्त रकम को टोल संचालकों, तकनीकी कर्मचारियों और नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों के बीच बांटा जाता था।ईडी अब डिजिटल रिकॉर्ड, बैंक खातों, वित्तीय लेनदेन और कथित बेनामी संपत्तियों से जुड़े दस्तावेजों की जांच कर रही है। जांच एजेंसी घोटाले से प्राप्त रकम के अंतिम लाभार्थियों तक पहुंचने का प्रयास कर रही है।कथित नेटवर्क में फर्जी फास्टैग के माध्यम से अधिक भार वाले और वाणिज्यिक वाहनों को टोल भुगतान में हेराफेरी कर निकालने का आरोप भी है। इस मामले में कई टोल संचालक और तकनीकी विशेषज्ञ उत्तर प्रदेश विशेष कार्यबल तथा केंद्रीय जांच एजेंसियों के रडार पर बताए जा रहे हैं।वाराणसी से कथित टोल घोटाले के मास्टरमाइंड आलोक सिंह को पहले गिरफ्तार किया गया था। उस पर हरहुआ में रहकर कथित अवैध नेटवर्क संचालित करने का आरोप है। इसके अलावा वाराणसी के लाला नगर टोल प्लाजा पर 62.87 करोड़ रुपये की कथित स्टांप चोरी से जुड़े मामले की भी जांच की जा रही है।जांच का दायरा लगातार बढ़ाया जा रहा है। देशभर के 200 से अधिक टोल प्लाजा और उत्तर प्रदेश के करीब 100 टोल प्लाजा जांच के दायरे में बताए जा रहे हैं। ईडी की कार्रवाई के बाद टोल वसूली में कथित डिजिटल हेराफेरी और उससे जुड़े वित्तीय नेटवर्क की परतें खुलने की उम्मीद है।

दुष्कर्म के आरोपी को पुलिस ने किया गिरफ्तार

लखनऊ। महिलाओं एवं नाबालिगों के विरुद्ध अपराधों की रोकथाम के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत मोहनलालगंज पुलिस ने नाबालिग लड़की को बहला-फुसलाकर भगाने और उसके साथ दुष्कर्म करने के आरोप में एक युवक को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने नाबालिग पीड़िता को भी सकुशल बरामद कर लिया है।पुलिस के अनुसार, 1 सितंबर 2026 को पीड़िता की मां ने थाना मोहनलालगंज में प्रार्थना पत्र देकर बताया कि उनकी करीब 15 वर्षीय नाबालिग पुत्री घर से कहीं चली गई है। जानकारी करने पर पता चला कि उन्नाव के थाना सोहरामऊ क्षेत्र के ग्राम बजेहरा निवासी राज पुत्र पिन्टू उसे बहला-फुसलाकर अपने साथ ले गया है। इस संबंध में थाना मोहनलालगंज में मुकदमा दर्ज किया गया।पीड़िता की सकुशल बरामदगी और आरोपी की गिरफ्तारी के लिए पुलिस उपायुक्त दक्षिणी के निर्देश पर दो पुलिस टीमों का गठन किया गया।

डॉ. शक्ति सिंह साधू (प्रधान सम्पादक), डॉ. प्रवीण (प्रबंध सम्पादक), एडवोकेट शैलेन्द्र श्रीवास्तव (कानूनी सलाहकार), राकेश अग्रवाल (जिला ब्यूरो उत्तर प्रदेश) अब्दुल नासिर स्टेट ब्यूरो उत्तर प्रदेश

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक शक्ति सिंह द्वारा राज तरूण आफसेट, एल0जी0एफ0 5–14, अंसल सिटी सेंटर, हजरतगंज, लखनऊ– 226001 से मुद्रित तथा 486/238–डी, डालीगंज, निरालानगर, जनपद लखनऊ–226020 से प्रकाशित।

सम्पादक– शक्ति सिंह मो0 7052608007 नोटः समाचार पत्र से संबंधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ न्यायालय होगा।